मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 29
मंगलवार, 04 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

संसद में आज फिर हंगामा, NEET, Ram Mandir मुद्दों पर विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली, 03 अगस्त। को लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक पारित किया। यह विधेयक उस अध्यादेश की जगह लेगा जिसके तहत सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई थी; यह कदम लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को लेकर जताई गई चिंताओं के बीच उठाया गया था। राज्यसभा ने भी ध्वनि मत से 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक' पारित किया। हालांकि, दोनों सदनों में आज भी हंगामा लगातार जारी रहा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विभिन्न विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही बाधित रही और दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर 10 मिनट पर ही बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, नीट प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस कार्रवाई सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को राज्यसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित हो गई।

ग्लासगो में संपन्न 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ियों को सोमवार को संसद के दोनों सदनों में बधाई दी गई। लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल खेलों में विभिन्न स्पधाओं में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। राज्यसभा में सभापति सी पी राधाकृष्णन ने ग्लासगो में संपन्न 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय दल को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियों ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय दल की ये उपलब्धियां नयी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा साबित होंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 पेश किया, जिसका उद्देश्य अदालतों में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने की प्रक्रिया को आधुनिक तथा पहले से अधिक स्पष्ट बनाना है। यह विधेयक औपनिवेशिक काल के 125 वर्ष पुराने बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम, 1891 का स्थान लेगा।

छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक सीढ़ी न बनाएं: राघव चड्ढा

नई दिल्ली, 03 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को विपक्ष पर ठएएळ परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों की भावनाओं का फायदा उठाने का आरोप लगाया। 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पर राज्यसभा में बहस के दौरान उन्होंने जोर देकर कहा कि यह विवाद इखढ और कांग्रेस के बीच नहीं, बल्कि मेरिट और माफिया तथा मेहनत और सेटिंग के बीच है। चड्ढा ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को छात्रों के विरोध-प्रदर्शन का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए करने से बचना चाहिए और पेपर लीक की समस्या से निपटने के लिए संस्थागत सुधारों की वकालत की। उन्होंने कहा कि जैसे कैंसर का इलाज क्रोसिन से नहीं हो सकता, वैसे ही पेपर लीक की समस्या का समाधान मीडिया में बयानबाजी से नहीं, बल्कि संस्थागत उपायों से ही हो

सकता है। हमारी सरकार आज भारत का पहला 'एंटी-पेपर लीक फ्रेमवर्क' लाकर यही करने जा रही है।बीजेपी नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की कि उन्होंने एक प्रधानमंत्री और एक अभिभावक, दोनों ही भूमिकाओं में छात्रों की चिंताओं पर ध्यान दिया। उन्होंने पेपर लीक के मामलों को गंभीर अपराध मानकर उनके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया और कहा कि छात्रों की आवाज मायने रखती है। जब आपने अपनी चिंता जाहिर की और मांग की कि प्रधानमंत्री आपकी बात न सिर्फ. एक प्रधानमंत्री के तौर पर, बल्कि एक अभिभावक के तौर पर भी सुनें, तो उन्होंने परिवार के मुखिया की तरह आपकी बात सुनी। फास्ट-ट्रैक कोर्ट गंभीर अपराधों, जैसे महिलाओं के खिलाफ अपराध, रेप और POCSO जैसे अपराधों के लिए बनाए जाते हैं। आज हमने पेपर लीक को भी उन्हीं गंभीर अपराधों की श्रेणी में शामिल किया है।

विपक्ष से बात करते हुए चड्ढा ने कहा कि राजनीतिक याददाश्त चुनिंदा हो सकती है लेकिन पब्लिक रिकॉर्ड नहीं; उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ठएएळ छात्रों की चिंताओं को उतना ही जायज माना जाना चाहिए जितना कि विपक्ष शासित राज्यों में परीक्षा का पेपर लीक होने से प्रभावित छात्रों की चिंताओं को। उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर लीक होना एक राष्ट्रीय संकट है, तो विपक्ष शासित राज्य में पेपर लीक होना कोई स्थानीय घटना कैसे हो सकती है? अगर ठएएळ छात्रों का दर्द असली है, तो पंजाब में फामेर्सी परीक्षा और कर्नाटक में ररछ3 परीक्षा के छात्रों का दर्द भी असली है।

सुप्रीम कोर्ट 17 अगस्त को ट्रांसजेंडर अधिनियम की वैधता पर करेगा सुनवाई

नयी दिल्ली, 03 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं पर 17 अगस्त को अंतिम सुनवाई करेगा। साथ ही, न्यायालय ने उन ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों को लेकर चिंता जताई, जिन्होंने पिछली व्यवस्था के तहत पहचान पत्र हासिल किए थे। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने इस संबंध में आदेश जारी किया। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि पीठ को खास तौर पर उन ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों की सुरक्षा की चिंता है, जिन्हें पहले के कानून के तहत ट्रांसजेंडर (टीजी) पहचान पत्र जारी किए जा चुके

थे। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुईं, वरिष्ठ वकील जयना कोठारी ने कहा कि जब याचिकाएं दायर की गईं, तो सरकार ने एक गजट अधिसूचना जारी करके संशोधित कानून को 25 मई से लागू कर दिया। वरिष्ठ वकील ने कहा कि ट्रांसजेंडर लोगों के लिए बना राष्ट्रीय पोर्टल, जिसके जरिए वे अपने पहचान पत्र हासिल करते हैं, काम नहीं कर रहा है। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पूर्व कानून के तहत पहले से ही टीजी कार्ड प्राप्त कर चुके व्यक्तियों को उनके मौजूदा अधिकारों से वंचित न किया जाए। उन्होंने याचिकाओं के निपटारे तक ऐसे कार्डों की वैधता पर यथास्थिति बनाए रखने की मांग की। दूसरे याचिकाकताओं ने भी अपने वकीलों के जरिए, संशोधित कानून को लागू करने से कथित तौर पर पैदा होने वाली व्यावहारिक दिक्कतों की ओर इशारा किया। मद्रास उच्च न्यायालय की एक ट्रांसजेंडर वकील ने कहा कि उन्हें शहर में रहने के लिए जगह पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है और अक्सर सुनवाई के दौरान अदालत की पीठ उन्हें पुरुष के तौर पर संबोधित करती हैं।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच खनन और फार्मास्यूटिकल्स में सहयोग की अपार संभावनाएं: राष्ट्रपति

नयी दिल्ली, 03 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच खनन क्षेत्र (विशेष रूप से दुर्लभ खनिज), खेती, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

उज्बेकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलोविच राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलने आए थे। इस दौरान मुर्मू ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं, जिनकी जड़ें प्राचीन व्यापारिक मार्गों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि स्थापत्य कला, भाषा, खान-पान, संगीत और धार्मिक परंपराओं में साझा विरासत ने दोनों देशों की साझेदारी को और मजबूत किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि उज्बेक प्रतिनिधिमंडल में उच्च-स्तरीय नेताओं की मौजूदगी और इस यात्रा के दौरान भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार मंच का आयोजन, दोनों तरफ के व्यवसायों का एक-दूसरे के बाजारों में बढ़ता भरोसा दिखाता है। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने खनन क्षेत्र (विशेषकर दुर्लभ खनिज), कृषि, फार्मास्यूटिकल्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर भी जोर दिया। मुर्मू को यह जानकर खुशी हुई कि उज्बेकिस्तान के 3,000 से अधिक अधिकारी, पेशेवर और छात्र देश के आईटीईसी (इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) प्रशिक्षण

कार्यक्रम एवं अन्य छात्रवृत्ति कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि 16,000 से अधिक भारतीय छात्र भी उज्बेकिस्तान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच वे एक पुल का काम करते हैं और आपसी समझ एवं लोगों के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देते हैं। बयान में कहा गया है कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि इस यात्रा के दौरान हुई बातचीत दोनों देशों के बीच मित्रता, भरोसे और सहयोग के रिश्तों को और प्रगाढ़ करेगी।

केरल के पलक्कड़ में खाई में गिरी रोडवेज बस, कई यात्री घायल

केरल। पलक्कड़ (केरल), तीन अगस्त केरल के पलक्कड़ जिले में नेन्मारा के पास पोतुंडी में सोमवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय हुआ जब रोडवेज की यह बस नेल्लियामपति से नेन्मारा की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बस खाई में गिरने के बाद पेड़ों के बीच अटक गई, जिससे वह गहराई में गिरने से बच गई। इस हादसे में कई यात्रियों को चोटें आई हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटनास्थल पर एक महिला अचेत अवस्था में मिली जिसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मचारी और पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को नेल्लियामपति के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दलीप ट्रॉफी: कन्हैया वधवान दलीप ट्रॉफी में करेंगे उत्तर क्षेत्र की कप्तानी, अर्शदीप सिंह भी टीम में शामिल

नई दिल्ली, 03 अगस्त। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए सोमवार को उत्तर क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया, जबकि जम्मू-कश्मीर के विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधवान को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम इंडिया के लिए सफेद गेंद के विशेषज्ञ अर्शदीप को 2025 के इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, लेकिन चोट और संयोजन से जुड़ी समस्याओं के कारण वह भारत के लिए लाल गेंद के प्रारूप में डेब्यू नहीं कर पाए थे।

टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हरियाणा के अंशुल कंबोज को भी 23 अगस्त से शुरू होने वाले इस टूनार्मेंट के लिए नॉर्थ जोन की टीम में जगह मिली है।

जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत से उत्साहित चयनकताओं ने चैंपियन टीम के छह खिलाड़ियों को इस टीम में जगह दी है। वधवान के अलावा इसमें ओपनर कमरान इकबाल, ऑलराउंडर अब्दुल समद, बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक, तेज गेंदबाज सुनील कुमार और तेज गेंदबाज युद्धवीर सिंह शामिल हैं।

दिल्ली के आयुष बडोनी को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि जम्मू-कश्मीर के अनुभवी कप्तान पारस डोगरा इस टूनार्मेंट के लिए नहीं चुना गया क्योंकि दलीप ट्रॉफी मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। तेज गेंदबाज आकिब नबी राष्ट्रीय टीम में शामिल होने के कारण अनुपलब्ध रहेंगे। जम्मू-कश्मीर के बाद दिल्ली का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है,

जिससे ओपनर सनत सांगवान, पूर्व कप्तान यश ढुल, मजबूत मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष डोसेजा और बडोनी टीम में शामिल हैं। भारत ए के नियमित खिलाड़ी निशांत सिंधु, आबिद मुश्ताक और अर्जुन शर्मा स्पिन और ऑलराउंड विकल्प प्रदान करेंगे।

नॉर्थ जोन की टीमः कन्हैया वधवान (कप्तान), आयुष बडोनी (उपकप्तान), सनत सांगवान, कमरान इकबाल, यश ढुल, आयुष डोसेजा, अब्दुल समद, निशांत सिंधु, अर्जुन शर्मा, आबिद मुश्ताक, अर्शदीप सिंह, सुनील कुमार, अंशुल कंबोज, युद्धवीर सिंह, निखिल कश्यप।

इंडिया नेशनल कांग्रेस हैदराबाद में शुरु करेगी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन पॉटरी एंड स्कल्पचर

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन की पहल, दक्षिण भारतीय राज्यों में समुदाय के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की कवायद

नई दिल्ली/हैदराबाद, 3 अगस्त। प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन (PCSF) की पहल पर हैदराबाद में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन पॉटरी एंड स्कल्पचर की स्थापना की प्रक्रिया तेज हो गई है। फाउंडेशन के अनुसार, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) के अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) विभाग के चेयरमैन डॉ. अनिल जयहिंद के मार्गदर्शन में शीघ्र ही एक प्रतिनिधिमंडल तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात करेगा। इस दौरान संस्थान की स्थापना सहित प्रजापति/कुम्हार समुदाय के शैक्षणिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश प्रजापति, राजस्थान के विधायक डूंगर राम गेदर, इंडियन नेशनल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दुर्गा प्रसाद प्रजापति तथा पूर्व आरटीआई आयुक्त एवं (PCSF) प्रतिनिधि इलापुरम राजा शामिल होंगे। फाउंडेशन का कहना है कि डॉ. अनिल जयहिंद ने मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल की बैठक शीघ्र कराने का आश्वासन दिया है।

इस पहल की पृष्ठभूमि में 12 जून 2026 को नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ में आयोजित बैठक के दौरान जिसमें PCSF अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के समक्ष प्रजापति/कुम्हार समुदाय के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सामाजिक सशक्तिकरण और समग्र विकास से संबंधित सुझावों का विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। प्रस्ताव में विभिन्न राज्यों में समुदाय के समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उनके समाधान के लिए नीतिगत पहल और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की मांग की गई थी। फाउंडेशन के अनुसार, राहुल गांधी ने समुदाय की मांगों पर सकारात्मक

विचार करने तथा भविष्य में निरंतर संवाद बनाए रखने का आश्वासन दिया था।

इसी क्रम में 17 जुलाई 2026 को आयोजित बैठक में प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन(PCSF) ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) के अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद को केरल राज्य के विभिन्न बोर्डों और निगमों में अध्यक्ष, निदेशक तथा बोर्ड सदस्य पदों के लिए समुदाय के प्रतिनिधियों की अनुशंसित सूची सौंपी।

सूची में एडवोकेट सी. सशीकुमार को केरल स्टेट पॉटरी मेकिंग मार्केटिंग डेवलपमेंट एंड वेलफेयर कॉरपोरेशन के चेयरमैन पद के लिए, नेडुवाथूर चंद्रशेखरन को केरल स्टेट कन्वर्टेड क्रिश्चियन्स एंड रिकमेंडेड कम्युनिटीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के निदेशक/बोर्ड सदस्य पद के लिए, सिंधु मोहन को केरल स्टेट बैकवर्ड कम्युनिटीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, निलांबूर गोपालन को केरल क्लेज एंड सेरामिक्स प्रोडक्ट्स लिमिटेड तथा बाबू कक्कोडी को केरल हैंडिक्राफ्ट्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन अथवा केरल आर्टिसन्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड में निदेशक/बोर्ड सदस्य पद के लिए अनुशंसित किया गया है।

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन अध्यक्ष राजेश प्रजापति ने कहा कि देश में प्रजापति/कुम्हार समुदाय की अनुमानित आबादी लगभग 9 करोड़ है, लेकिन पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण समुदाय को अपेक्षित सामाजिक और प्रशासनिक भागीदारी नहीं मिल पाई है। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को आयोजित बैठक में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों से जुड़े मुद्दों को विस्तार से रखा, जिन पर डॉ. अनिल जयहिंद ने गंभीरता से विचार करते हुए समाधान के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया।

उन्होंने यह भी बताया कि शीघ्र ही डॉ. अनिल जयहिंद के मार्गदर्शन में एक प्रतिनिधिमंडल सांसद एवं यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) के संयोजक अडूर प्रकाश से मुलाकात करेगा और केरल के विभिन्न बोर्डों में समुदाय के प्रतिनिधियों की नियुक्ति के संबंध में प्रस्ताव सौंपेगा। साथ ही तमिलनाडु और कर्नाटक से प्राप्त सिफारिशों पर भी केंद्रीय नेतृत्व के स्तर पर कार्रवाई की जाएगी।

कुम्हार/कुलाल समुदाय, जिसे अधिकांश दक्षिणी राज्यों में अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के रूप में मान्यता प्राप्त है, ने राजनीतिक

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन ने इंडियन नेशनल कांग्रेस शासित दक्षिण भारतीय राज्यों के विभिन्न बोर्डों के लिए भेजी समुदाय के नेताओं के नामों की सूची

सहभागिता एवं प्रतिनिधित्व के लिए अपने प्रयासों को तीव्र कर दिया है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं तेलंगाना में सुदृढ़ उपस्थिति, प्रत्येक ग्राम में गहरी सांस्कृतिक जड़ें, तथा परंपरागत शिल्पकारों, कुम्हारों, कृषकों एवं उद्यमियों के सशक्त नेटवर्क के साथ, इस समुदाय के पास महत्वपूर्ण सामाजिक एवं आर्थिक सामर्थ्य विद्यमान है। ग्रामीण आजीविका एवं सांस्कृतिक धरोहर में उनके योगदान के बावजूद, कुम्हार/कुलाल समुदाय राजनीतिक एवं नीति-निर्माण के क्षेत्र में अल्प-प्रतिनिधित्व का शिकार है। अपने अखिल-दक्षिण भारत नेटवर्क एवं संगठनात्मक क्षमता का उपयोग करते हुए, समुदाय अब वृहद स्तर पर सामाजिक कल्याणकारी पहलों का नेतृत्व करने तथा शासन में अपनी आवाज को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने हेतु संकल्पबद्ध है।

बतादें कि प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन की स्थापना 18 अप्रैल 2024 को हुई थी और यह कंपनी अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत एक धर्मार्थ कंपनी के रूप में पंजीकृत है। फाउंडेशन के पास 80G, 12A, CSR-1 एवं LEI प्रमाणपत्र उपलब्ध हैं। फाउंडेशन का उद्देश्य प्रजापति / कुम्हार / कुंभार / कुमावत/ कुलाल / आदि समुदायों को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाना है, जो परस्पर सौहार्दपूर्ण सहयोग के साथ राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला बनें। जरूरतमंद एवं योग्य छात्रों के लिए वित्तीय सहायता कार्यक्रम सम्पूर्ण भारत में संचालित है, जिसके अंतर्गत अब तक 54 छात्रों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। फाउंडेशन के प्रमुख कार्यक्षेत्र शिक्षा के माध्यम से सामाजिक उत्थान, महिला सशक्तिकरण एवं व्यापारिक नेटवर्किंग हैं।

महाराष्ट्र सरकार की सराहनीय पहल

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

-ललित गर्ग

विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है।

आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है।

बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय इसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं।

यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो यह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध रहेंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी।

सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है।

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव।

एफसीआरए और एनजीओः राष्ट्रीय सुरक्षा, डिजिटल पारदर्शिता और जवाबदेही का नया युग

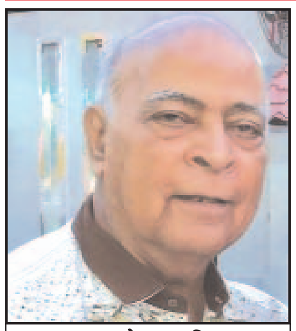

अशोक भाटिया

किसी भी संप्रभु और लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए अपनी आंतरिक सुरक्षा, राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक ताने-बाने को बाहरी ताकतों के अवांछित प्रभाव से सुरक्षित रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। वैश्वीकरण के इस दौर में जहां पूंजी का सुगम प्रवाह सुनिश्चित हुआ है, वहीं विदेशी धन के जरिए देश की संप्रभुता को प्रभावित करने वाली आशंकाएं भी समानांतर रूप से बढ़ी हैं। भारत में विदेशी चंदे की निगरानी, नियमन और नियंत्रण के लिए 'विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम' यानी एफसीआरए एक मजबूत संवैधानिक और विनियामक ढाल के रूप में कार्य कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा संचालित यह कानून समय और देश की सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ लगातार अधिक सुदृढ़ हुआ है। वर्ष 2026 में देश के विधायी और प्रशासनिक स्तर पर लागू किए गए ऐतिहासिक 'एफसीआरए संशोधन नियमों', नए पेश विधेयक और अत्याधुनिक डिजिटल सुधारों ने भारत में विदेशी फंडिंग के संचालन को पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और राष्ट्रहित के अनुकूल बना दिया है।

भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली में विदेशी पूंजी के दुरुपयोग को रोकने की दिशा में प्रशासनिक सुगमता और डिजिटल गवर्नेंस को जोड़ते हुए एक बड़ी घटना सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के मूल विजन को धरातल पर उतारते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 30 जून 2026 को नई दिल्ली में अत्याधुनिक 'एफसीआरए 2.0 पोर्टल' को देश को समर्पित किया। राष्ट्रीय सरकारी क्लाउड 'मेघराज' पर पूरी तरह सुरक्षित तरीके से होस्ट किया गया यह नया संस्करण डिजिटल पारदर्शिता का एक अनूठा वैश्विक मानक स्थापित करता है। इस पोर्टल की शुरूआत के समय केंद्रीय गृह सचिव, विदेश सचिव और खुफिया ब्यूरो (IB) के महानिदेशक जैसी देश की शीर्ष सुरक्षा हस्तियों की उपस्थिति ने इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया था।

इस अत्याधुनिक तकनीकी सुधार के पीछे सरकार का प्राथमिक उद्देश्य देश के ईमानदार, पारदर्शी और वास्तविक रूप से राष्ट्र निर्माण में जुटे संगठनों के लिए विनियामक अनुपालन प्रक्रिया को पूरी तरह पेपरलेस, त्वरित और सुगम बनाना है। 'एफसीआरए 2.0 पोर्टल' के क्रियान्वयन से अब कागजी फाइलों की भौतिक प्रस्तुति की अनिवार्यता पूरी तरह समाप्त हो गई है। नए डिजिटल ढांचे में अत्याधुनिक आधार-आधारित प्रमाणीकरण, डिजिटल सिग्नेचर , और ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन आधारित स्वचालित दस्तावेज विश्लेषण जैसी सुविधाएं अंतर्निहित की गई हैं। इस तकनीकी अपग्रेडेशन का परिणाम यह हुआ है कि जहां एक तरफ पारदर्शी और सही तरीके से काम करने वाले एनजीओ को त्वरित और बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के डिजिटल मंजूरी मिल रही है, वहीं दूसरी तरफ वास्तविक समय में फंड ट्रैकिंग की व्यवस्था लागू होने से देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त या संदिग्ध खातों और विदेशी स्रोतों पर चौबीसों घंटे पैनी नजर रखना बेहद आसान हो गया है।

सरकार द्वारा उठाए गए इन सख्त कदमों और विनियामक कड़ाई के औचित्य को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के माध्यम से बेहद स्पष्टता से समझा जा सकता है। ये आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि सरकार की नीति का उद्देश्य किसी भी वैध सामाजिक संस्था को परेशान करना नहीं, बल्कि वित्तीय जवाबदेही की एक ऐसी अचूक प्रणाली स्थापित करना है जिससे देश की सुरक्षा अभेद्य रहे। आधिकारिक सरकारी डेटा के अनुसार, साल 2012 से लेकर अब तक देश भर में कुल 52,159 संस्थाओं को विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए एफसीआरए लाइसेंस जारी किए गए थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में किए गए कड़े वित्तीय ऑडिट, वार्षिक रिटर्न की सघन जांच और नियमों के अनुपालन के कठोर मापदंडों के लागू होने के बाद, वर्तमान में देश भर में केवल 14,455 एनजीओ ही सक्रिय बचे हैं—यानी मूल रूप से पंजीकृत संस्थाओं में से केवल करीब 28 प्रतिशत संगठन ही वर्तमान में वैध रूप से विदेशी चंदा पाने और उसका उपयोग करने की पात्रता रखते हैं।

गृह मंत्रालय के रिकॉर्ड और आधिकारिक आंकड़ों के विस्तृत विश्लेषण से यह साफ होता है कि अब तक लगभग 22,498 एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस सीधे तौर पर नियमों के गंभीर उल्लंघन के कारण रद्द किए जा चुके हैं, जबकि 15,206 से अधिक अन्य लाइसेंसों की अवधि उनके समय पर रिन्यूअल न होने या विनियामक कमियों के कारण स्वतः समाप्त (Deemed Expired) मान ली गई है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में संसद और सार्वजनिक मंचों पर देश के सामने यह स्थिति स्पष्ट की है कि लाइसेंस रद्द होने या समाप्त होने का एकमात्र कारण वित्तीय धोखाधड़ी ही नहीं है, बल्कि कई मामलों में संगठनों द्वारा बुनियादी नियमों का पालन न करना रहा है, जैसे लगातार कई वर्षों तक अपना अनिवार्य वार्षिक रिटर्न दाखिल न करना, निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने लाइसेंस का नवीनीकरण न कराना या कानूनन अनिवार्य किए गए बैंक खातों को सक्रिय न रखना। इसके साथ ही, विनियामक तंत्र को केवल सक्रिय और वास्तविक काम करने वाले संगठनों तक सीमित रखने के लिए नई व्यवस्था के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया है कि कोई भी एनजीओ अपने लाइसेंस के रिन्यूअल का दावा तभी कर सकेगा जब वह पिछले दो वित्तीय वर्षों के भीतर समाज कल्याण के कार्यों में कम से कम ?10 लाख का वास्तविक और प्रमाणित प्रोजेक्ट खर्च दिखाना अनिवार्य है। इस व्यवस्था से केवल कागजों पर चलने वाले, निष्क्रिय या 'शेल संगठनों' को स्वतः इस वित्तीय तंत्र से बाहर कर दिया गया है।

भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र अपनी विशिष्ट भौगोलिक अवस्थिति, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से जुड़ाव और सांस्कृतिक विविधता के कारण सामरिक दृष्टि से हमेशा से देश के सबसे संवेदनशील हिस्सों में से एक रहा है। इस क्षेत्र में विदेशी शक्तियों द्वारा स्थानीय स्तर पर अलगाववादी प्रवृत्तियों को हवा देने, सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों को वित्तीय मदद पहुंचाने और जनसांख्यिकीय संतुलन को कृत्रिम रूप से प्रभावित करने के प्रयासों का इतिहास रहा है। इस गंभीर सुरक्षा चुनौती को भांपते हुए गृह मंत्रालय ने पूर्वोत्तर के राज्यों में सक्रिय गैर-सरकारी संगठनों की फंडिंग पर विशेष और अत्यधिक कड़ा नियंत्रण स्थापित किया है। आंकड़ों के अनुसार, साल 2010 से लेकर अब तक पूर्वोत्तर के सात प्रमुख राज्यों में कुल 2,313 संगठनों को एफसीआरए के तहत विदेशी चंदा प्राप्त करने की अनुमति या पंजीकरण दिया गया था। लेकिन सरकार द्वारा की गई सुरक्षा जांच, कड़े ऑडिट मानकों और राष्ट्रहित की वेदी पर कसे गए मापदंडों के बाद, वर्तमान में पूर्वोत्तर के इन संवेदनशील राज्यों में केवल 463 संगठनों के एफसीआरए लाइसेंस ही सक्रिय और वैध बचे हैं। इसका सीधा और स्पष्ट निष्कर्ष यह है कि पूर्वोत्तर भारत में वर्तमान में लगभग हर पांच में से केवल एक एनजीओ ही विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए कानूनी रूप से पात्र है। सरकार का यह ठोस और सख्त कदम पूर्वोत्तर की आंतरिक सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने, विदेशी फंडों के अनियंत्रित प्रवाह के माध्यम से होने वाले अवैध सामाजिक व जनसांख्यिकीय बदलावों को पूरी तरह रोकने, और इस रणनीतिक भू-भाग को विदेशी ताकतों के किसी भी प्रकार के दुष्प्रचार या आंतरिक अस्थिरता का केंद्र बनने से बचाने के लिए समय की मांग और एक ऐतिहासिक रूप से अनिवार्य दूरदर्शी फैसला साबित हुआ है।

प्रशासनिक स्तर पर उठाए गए इन कदमों को एक मजबूत विधायी और कानूनी आधार देने के लिए सरकार ने संसद के पटल पर भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 25 मार्च 2026 को भारत की संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में 'विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' आधिकारिक रूप से पेश किया गया। विनियामक कमियों को तुरंत दूर करने और कानून को बिना किसी देरी के लागू करने के लिए गृह मंत्रालय ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए 22 जून 2026 को नए 'एफसीआरए संशोधन नियम, 2026' को देश भर में अधिसूचित कर पूरी तरह प्रभावी कर दिया। इस नए विधायी और विनियामक ढांचे में कुछ ऐसे ऐतिहासिक और दूरगामी प्रावधान शामिल किए गए हैं जो विदेशी धन की जवाबदेही को एक नए स्तर पर ले जाते हैं। भारत के इस कड़े और पारदर्शी रुख को देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था का भी मजबूत संरक्षण प्राप्त हुआ है। भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने हालिया महत्वपूर्ण न्यायिक दृष्टिकोण में इस बात को पूरी तरह स्पष्ट किया है कि भारत के संविधान के तहत नागरिकों को मिलने वाला संघ या संगठन बनाने का अधिकार किसी भी स्थिति में विदेशी धन प्राप्त करने की खुली और अनियंत्रित छूट नहीं देता है। देश की शीर्ष अदालत ने विदेशी धन पर अत्यधिक और अनियंत्रित निर्भरता पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए यह भी रेखांकित किया कि वैश्विक मंचों पर इस प्रकार की निर्भरता देश की एक ऐसी छवि पेश करती है जैसे भारत अपनी आंतरिक आवश्यकताओं और कल्याणकारी कार्यों को स्वयं पूरा करने में सक्षम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की इस न्यायिक टिप्पणी ने सरकार के इस रुख को पूरी तरह सही ठहराया है कि विदेशी पूंजी का देश में प्रवेश कोई मौलिक अधिकार नहीं बल्कि एक ऐसा विषय है जो पूर्ण रूप से राज्य के कड़े नियमन और राष्ट्रीय सुरक्षा के अधीन आता है।

किसी भी राष्ट्र के लिए उसकी संप्रभुता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं हो सकता। भारत सरकार द्वारा एफसीआरए के क्षेत्र में की गई यह अभूतपूर्व विनियामक कड़ाई देश के भीतर किसी भी वैध, पारदर्शी और जन-कल्याणकारी कार्यों में जुटे एनजीओ के खिलाफ नहीं है। इसके विपरीत, 'एफसीआरए 2.0 पोर्टल' जैसे अत्याधुनिक डिजिटल और पेपरलेस माध्यमों को अपनाकर सरकार ने देश के कानून सम्मत और ईमानदार संगठनों के लिए काम की राह को और अधिक सुगम, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बना दिया है। यह कड़ा रुख केवल उन ताकतों और साठगांठ के खिलाफ एक निर्णायक और रणनीतिक युद्ध है जो विदेशी धन की आड़ में देश की आंतरिक सुरक्षा को खतरे में डालने, देश विरोधी एजेंडा चलाने और भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। यह संपूर्ण सुधार प्रक्रिया भारत को एक आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और बाहरी हस्तक्षेप से पूरी तरह मुक्त राष्ट्र बनाए रखने की दिशा में मोदी सरकार का एक ऐतिहासिक, दूरदर्शी और राष्ट्रहित में उठाया गया मील का पत्थर साबित हो रहा है।

जब सावन के बादलों से संवाद करते हैं श्री काशी विश्वनाथ धाम के शिखर

-सुरेश गांधी

काशी की महिमा केवल उसकी प्राचीनता में नहीं, उसके अक्षय जागरण में है। भारत के अनेक तीर्थ ऋतु के साथ बदलते हैं, पर काशी ऋतु को अपने भीतर बदल देती है। सावन आते ही यह नगर एक साधारण शहर नहीं रहता; यह शिव की श्वास का विस्तार बन जाता है। गंगा के तट पर स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में जब प्रातःकाल पहली आरती होती है, तब लगता है मानो स्वयं भोर ने जल और प्रकाश लेकर विश्वनाथ के चरणों में उपस्थित होने का संकल्प किया हो। पुराणों में काशी को ह्लअविमुक्त क्षेत्रह्व कहा गया है—अर्थात वह भूमि जिसे शिव कभी छोड़ते नहीं। स्कंदपुराण के काशीखंड में वर्णित है कि यह नगरी स्वयं महादेव की प्रिय नगरी है, जहाँ उनका अनुग्रह निरंतर प्रवाहित रहता है। प्रसिद्ध पंक्ति है—

काश्यां हि काशते काशी, काशी सर्वप्रकाशिका।

अर्थात काशी वह है जो स्वयं प्रकाशित है और समस्त जगत को प्रकाश देने वाली है। यहाँ प्रकाश केवल दीप का नहीं, चेतना का प्रतीक है। एक अन्य प्रसिद्ध भावार्थ में कहा गया है—

अविमुक्तं न मुञ्चन्ति शिवा यत्र निवासिनः।

अर्थात जहाँ शिव का निवास है, उस काशी को वे कभी त्यागते नहीं। यही कारण है कि काशी की आध्यात्मिक अनुभूति अन्य तीर्थों से भिन्न मानी जाती है। बारह ज्योतिर्लिंगों में काशी विश्वनाथ का स्थान अद्वितीय माना जाता है। ह्लविश्वनाथह्व शब्द का अर्थ है—समस्त विश्व के नाथ। यह नाम केवल ईश्वर की सार्वभौमिक सत्ता का परिचायक नहीं, बल्कि उस करुणा का भी प्रतीक है जो जाति, भाषा, देश और काल की सीमाओं से परे है। शिवलिंग यहाँ अनंत प्रकाश के स्तंभ का प्रतीक माना जाता है—आरंभ और अंत से परे, निराकार में साकार का संकेत। शैव परंपरा में प्रचलित प्रार्थना –

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय।

नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय तस्मै नकाराय नमः शिवाय॥

सावन में विश्वनाथ धाम की आराधना का भाव इसी शुद्ध, नित्य और सर्वव्यापक शिवत्व की ओर मन को ले जाता है। सावन के सोमवार पर धाम का दृश्य किसी उत्सव से अधिक एक सामूहिक मौन जैसा होता है। हजारों लोग उपस्थित रहते हैं, फिर भी एक ऐसी आंतरिक शांति बनी रहती है जिसे शब्दों में बाँधना कठिन है। कतारें आगे बढ़ती हैं, दीपक जलते हैं, घंटियाँ बजती हैं, पर भीतर कहीं एक निस्तब्धता लगातार बहती रहती है। शायद यही काशी की वास्तविक ध्वनि है—भीड़ के बीच जन्म लेता मौन।

धाम के प्रांगण में खड़े होकर यदि कुछ देर केवल आकाश को देखा जाए, तो स्वर्णिम शिखर बादलों से संवाद करते प्रतीत होते हैं। वर्षा की हल्की फुहार जब उन पर गिरती है, तब लगता है मानो आकाश स्वयं जल अर्पित कर रहा हो। गंगा की दिशा से आती ठंडी हवा मंदिर की दीवारों को छूती है और वे दीवारें किसी प्राचीन वाद्य की तरह धीमे-धीमे गूँज उठती हैं। काशी की गलियों का अपना एक आध्यात्मिक व्याकरण है। यहाँ मोड़ अचानक खुलते हैं, रास्ते अचानक संकरे हो जाते हैं, और फिर अचानक सामने मंदिर का आकाश खुल जाता है। यह नगर मानो मनुष्य को सिखाता है कि जीवन भी सीधी रेखा नहीं, अनुभवों की घुमावदार यात्रा है। सावन में यह यात्रा और अधिक भीगी, और अधिक आत्मीय हो उठती है। धाम की सीढ़ियों पर बैठा कोई वृद्ध श्रद्धालु, जल लिए खड़ा कोई किशोर, अपने परिवार के साथ आई कोई महिला—इन सबके चेहरों पर अलग-अलग कथाएँ लिखी होती हैं। किसी की आँखों में कृतज्ञता, किसी में पीड़ा, किसी में आशा, किसी में स्मरण। शिव शायद इसी विविधता के देवता हैं—जो मनुष्य को बदलने से पहले उसे स्वीकार करते हैं।

आधुनिक समय में जब हर चीज तेजी से घटित होने लगी है, तब श्री काशी विश्वनाथ धाम रुकने की संस्कृति सिखाता है। यहाँ लोग प्रतीक्षा करते हैं, धीरे चलते हैं, दर्शन के बाद कुछ क्षण आँखें बंद करके खड़े रहते हैं। यह ठहराव केवल धार्मिक क्रिया नहीं, मानसिक उपचार है। काशी बताती है कि शांति कोई उपलब्धि नहीं; वह भीतर लौटने की प्रक्रिया है। सावन की रातों में धाम का रूप और भी अद्भुत हो उठता है। दीपों की लौ पत्थरों पर पड़कर उन्हें जीवित बना देती है। हवा में भीगा चंदन घुल जाता है। गंगा की ओर से आती नमी और आरती की ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण बनाती है जिसमें मन स्वयं धीमा पड़ने लगता है। उस समय काशी को देखा नहीं जाता, महसूस किया जाता है। और तब समझ में आता है कि इस नगर की महिमा उसके स्थापत्य में नहीं, उसकी जागृत चेतना में है। काशी केवल तीर्थ नहीं; वह मनुष्य और उसके भीतर बसे मौन के बीच का सेतु है। यहाँ आकर अनेक लोग अपनी कामनाएँ व्यक्त करते हैं, पर लौटते समय वे अक्सर एक अनकही शांति साथ ले जाते हैं।

सावन का सोमवार काशी में केवल एक धार्मिक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना का जीवंत उत्सव बन जाता है। गंगा के तट पर स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम इन दिनों ऐसे जागता है मानो स्वयं शिव ने इस नगर को अपनी श्वास से स्पंदित कर दिया हो। भोर की मंगला आरती से लेकर रात्रि की शयन आरती तक चारों पहर विश्वनाथ की उपस्थिति धाम को निरंतर आलोकित करती रहती है। पुराणों में वर्णित अविमुक्त काशी की महिमा सावन में और अधिक सजीव हो उठती है, जब गंगा का जल, मंत्रों का नाद और घंटों की ध्वनि मिलकर एक ऐसा वातावरण रचते हैं जिसमें श्रद्धा केवल देखी नहीं, अनुभव की जाती है। ज्योतिर्लिंग स्वरूप बाबा विश्वनाथ के प्रत्येक सोमवार का अलग श्रृंगार शिव के विविध आध्यात्मिक रूपों—शीतलता, करुणा, वैराग्य, प्रकाश और अनंतता—का प्रतीक माना जाता है। धाम की गलियों से गुजरती जलधाराएँ, रुद्राक्ष धारण किए श्रद्धालु और स्वर्णिम शिखरों पर ठहरती वर्षा की बूँदें मिलकर काशी को एक अद्भुत आध्यात्मिक लोक में बदल देती हैं। यह लेख उसी सावनमय काशी की यात्रा है, जहाँ विश्वनाथ केवल मंदिर में नहीं, समय, जल, प्रकाश और मनुष्य के मौन में भी निवास करते प्रतीत होते हैं

सावन : जब जल स्वयं मंत्र बन जाता है

श्रावण मास को शिव का प्रिय मास माना गया है। वर्षा का जल, गंगा का प्रवाह और धरती की हरियाली मिलकर इस महीने को तपश्चर्या और शीतलता का अद्भुत संगम बना देते हैं। काशी में सावन का अर्थ केवल व्रत या पूजा नहीं; यह जल और ज्योति का उत्सव है। भोर में श्रद्धालु गंगाजल लेकर विश्वनाथ धाम की ओर बढ़ते हैं। वह जल केवल अर्पण नहीं होता; वह मनुष्य के भीतर की दाह, अहंकार और क्लांति को धो देने की प्रतीकात्मक प्रक्रिया है। इसी भाव से शिव-मंत्र गूँजता है – ह्लॐ नमः शिवायह्व. यह पंचाक्षरी मंत्र काशी की गलियों में केवल उच्चारित नहीं होता; वह साँसों के साथ चलता है।

सावन के सोमवार और बाबा का अद्भुत श्रृंगार

काशी की एक विशिष्ट परंपरा है कि सावन के प्रत्येक सोमवार को बाबा का अलग-अलग भावों में श्रृंगार किया जाता है। कहीं चंदन की शीतल आभा, कहीं रजत अलंकरण, कहीं पुष्पों की हरित छटा, कहीं भस्म और रुद्राक्ष की तपस्वी मुद्रा—हर श्रृंगार शिव के किसी न किसी आध्यात्मिक रूप का स्मरण कराता है.

चंदन श्रृंगार – तप्त मन को शीतलता का संदेश।

पुष्प श्रृंगार – सृष्टि की नवीनता और करुणा का प्रतीक।

रुद्राक्ष श्रृंगार – ध्यान, वैराग्य और अंतर्मुखता का संकेत।

भस्म भाव – अनित्यता का स्मरण; सब कुछ अंततः शिव में विलीन है।

स्वर्ण अथवा रजत आभूषण – दिव्य ऐश्वर्य नहीं, चेतना की ज्योति का प्रतीक।

सावन की भीगी सुबह में जब श्रृंगारित विश्वनाथ के दर्शन होते हैं, तब अनेक श्रद्धालुओं को लगता है कि वे मूर्ति नहीं, जीवंत उपस्थिति के सम्मुख खड़े हैं।

गंगा और विश्वनाथ : काशी का द्वैतहीन संबंध

काशी में गंगा और विश्वनाथ को अलग-अलग नहीं देखा जाता। प्राचीन परंपरा में गंगा को शिव-जटाओं से प्रवाहित करुणा का रूप माना गया है। इसलिए काशी की यात्रा तब पूर्ण मानी जाती है जब गंगा-स्पर्श और विश्वनाथ-दर्शन दोनों का अनुभव हो। प्रातःकाल दशाश्वमेध से उठती आरती की ध्वनि और धाम की घंटियों का सम्मिलित नाद काशी की आत्मा का संगीत रचता है।

धाम का अनुभव : स्थापत्य से आगे

आज का श्री काशी विश्वनाथ धाम विस्तृत और भव्य है, पर उसकी वास्तविक शक्ति पत्थरों में नहीं, उस सामूहिक आस्था में है जो प्रतिदिन वहाँ उपस्थित होती है। लाखों लोग आते हैं, पर गर्भगृह के समीप पहुँचते-पहुँचते शब्द कम और मौन अधिक हो जाता है। यही मौन शिव का सबसे प्राचीन उपदेश है। आदि शंकराचार्य रचित प्रसिद्ध स्तुति की पंक्ति—

वाराणसीपुरपतिं भज विश्वनाथम्।

अर्थात वाराणसीपुरी के स्वामी विश्वनाथ का भजन करो—यह केवल उपासना का आग्रह नहीं, आत्मचेतना की ओर लौटने का निमंत्रण है।

सोमवार की वह भोर

आज सावन का सोमवार है। काशी की गलियों में फिर जल से भरे कलश चलेंगे, रुद्राक्ष की मालाएँ झूलेंगी, घंटियाँ बजेंगी, और गंगा की हवा धाम के प्रांगण में शीतलता बिखेरेगी। विश्वनाथ के स्वर्णिम शिखर बादलों के बीच चमकेंगे और हजारों आँखें एक साथ उसी दिशा में उठेंगी जहाँ मनुष्य अपनी सीमाओं से बड़ा कुछ अनुभव करना चाहता है।

काशी का सबसे बड़ा चमत्कार

काशी का चमत्कार यह नहीं कि यहाँ इच्छाएँ पूरी होती हैं; काशी का चमत्कार यह है कि यहाँ मनुष्य अपनी इच्छाओं के शोर से कुछ क्षणों के लिए मुक्त हो जाता है। सावन में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सबसे बड़ी शांति बाहर नहीं, भीतर जागती है। जब गंगा की नमी, मंत्रों की ध्वनि और विश्वनाथ का शांत स्वरूप एक साथ मन में उतरते हैं, तब काशी केवल तीर्थ नहीं रहती—वह आत्मा का घर बन जाती है। और शायद इसी लिए सदियों से कहा जाता है—काशी को देखा नहीं जाता, काशी भीतर घटित होती है; और सावन के सोमवार को विश्वनाथ उसी भीतर घटने वाली ज्योति का नाम हैं।

सोमवार की भोर

सोमवार की भोर अभी पूरी तरह खुली भी नहीं होती कि काशी की हवा बदलने लगती है। गंगा के ऊपर झुके बादलों से टपकती नमी, मंदिरों की दूर-दूर से आती घंटियों की ध्वनि, भीगी गलियों से उठती मिट्टी और चंदन की मिली-जुली गंध—सब मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं मानो पृथ्वी ने अपने माथे पर जल का शांत स्पर्श रख लिया हो। उसी क्षण लगता है कि सावन कहीं बाहर से नहीं आता; वह काशी के भीतर से जागता है। और जब सावन जागता है, तब समय भी नंगे पाँव चलने लगता है। मतलब साफ है श्री काशी विश्वनाथ धाम को केवल मंदिर कहना उसके अनुभव को छोटा कर देना होगा। यह वह स्थल है जहाँ पत्थर स्मृति बन जाते हैं और स्मृति प्रार्थना। यहाँ पहुँचते ही मनुष्य अपने परिचय पीछे छोड़ देता है। कोई किसान, कोई शिक्षक, कोई व्यापारी, कोई विद्यार्थी—सब एक ही दिशा में बढ़ते हैं, जैसे अलग-अलग नदियाँ एक ही सागर की ओर जाती हों। धाम की सबसे अद्भुत बात यही है कि वह किसी से उसका नाम नहीं पूछता; वह केवल उसके मन की थकान पहचान लेता है।

मंदिर परिसर

काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर रुकने की संस्कृति सिखाता है। यहाँ लोग प्रतीक्षा करते हैं, धीरे चलते हैं, दर्शन के बाद कुछ क्षण आँखें बंद करके खड़े रहते हैं। यह ठहराव केवल धार्मिक क्रिया नहीं, मानसिक उपचार है। काशी बताती है कि शांति कोई उपलब्धि नहीं; वह भीतर लौटने की प्रक्रिया है। सावन की रातों में धाम का रूप और भी अद्भुत हो उठता है। दीपों की लौ पत्थरों पर पड़कर उन्हें जीवित बना देती है। हवा में भीगा चंदन घुल जाता है। गंगा की ओर से आती नमी और आरती की ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण बनाती है जिसमें मन स्वयं धीमा पड़ने लगता है। उस समय काशी को देखा नहीं जाता, महसूस किया जाता है। और तब समझ में आता है कि इस नगर की महिमा उसके स्थापत्य में नहीं, उसकी जागृत चेतना में है। काशी केवल तीर्थ नहीं; वह मनुष्य और उसके भीतर बसे मौन के बीच का सेतु है। यहाँ आकर अनेक लोग अपनी कामनाएँ व्यक्त करते हैं, पर लौटते समय वे अक्सर एक अनकही शांति साथ ले जाते हैं।

आरती

सावन के सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में केवल पूजा नहीं होती, बल्कि समय स्वयं आरती बन जाता है। काशी का दिन घड़ी की सूइयों से नहीं, बाबा विश्वनाथ के चार पहरों से चलता है। भोर की मंगला आरती विश्वनाथ को जगाने का क्षण है, जब गंगा की नमी और वैदिक मंत्रों के बीच धाम में पहली चेतना जागती है। प्रातःकालीन भोग आरती में बाबा को अन्न और प्रेम का अर्पण किया जाता है, मानो समूची काशी अपनी रसोई का प्रथम अंश विश्वनाथ को समर्पित कर रही हो। संध्या उतरते ही दीपों की पंक्तियों और घंटों के गगनभेदी नाद के साथ संध्या आरती धाम को प्रकाशमय कर देती है; यह वह क्षण है जब काशी की आत्मा गंगा की लहरों तक सुनाई देती है। रात्रि की अंतिम बेला में शयन आरती बाबा को विश्राम का निमंत्रण देती है, पर काशी की आस्था तब भी जागती रहती है। सावन में इन चारों आरतियों का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। प्रत्येक आरती शिव के एक अलग भाव—जागरण, पालन, प्रकाश और विश्राम—का प्रतीक है। इसी कारण लाखों श्रद्धालु मानते हैं कि काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन तभी पूर्ण होते हैं जब उनके चार पहरों की आराधना का अनुभव हृदय में उतर जाए।

वसई पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 2.07 करोड़ रुपये की अंबरग्रीस, व्हेल की उल्टी जब्त, 5 आरोपी गिरफ्तार

◆केरल से वसई बिक्री के लिए लाई गई थी प्रतिबंधित अंबरग्रीस, स्कूटर, मोबाइल सहित करोड़ों का माल बरामद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई पुलिस स्टेशन की अपराध पहचान शाखा ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2 करोड़ 7 लाख 12 हजार रुपये मूल्य की प्रतिबंधित अंबरग्रीस (व्हेल की उल्टी) जब्त कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 58 ग्राम अंबरग्रीस, एक स्कूटर और मोबाइल फोन समेत अन्य सामान भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त 2026 की शाम करीब 7 बजे वसई पुलिस स्टेशन को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति जी.जी. कॉलेज परिसर के पीछे प्रतिबंधित अंबरग्रीस बेचने आने वाले हैं। सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने जाल बिछाया और कॉलेज के पिछले गेट के पास एक्सेस कंपनी के स्कूटर पर बैठे दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उदित सुनील सतावसे (38), निवासी मीरा रोड पूर्व तथा कृष्णकांत महेंद्र देसाई (34), निवासी नवघर रोड, भायंदर पूर्व के

रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके पास से एक बोरी में रखी 2 किलो 58 ग्राम अंबरग्रीस, जिसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 5 लाख 80 हजार रुपये है, बरामद की गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2) तथा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई के दौरान अंबरग्रीस, स्कूटर, मोबाइल फोन सहित कुल 2 करोड़ 7 लाख 12 हजार रुपये मूल्य का माल जब्त किया गया।पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अपने तीन अन्य साथियों के नाम बताए। इसके बाद पुलिस ने वसई और नवघर बस डिपो क्षेत्र में छापेमारी कर विशाल संतोष ठाकरे (नासिक), अखिल के. कृष्णा पीवी (कन्नूर, केरल) तथा सुहाद टी.पी. मोइद्दीन कोया (कोझिकोड, केरल) को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि केरल निवासी आरोपी अंबरग्रीस को बिक्री के उद्देश्य से वसई लेकर आए थे। मामले में यह पता लगाया जा रहा है कि प्रतिबंधित अंबरग्रीस की तस्करी का नेटवर्क किन-किन राज्यों तक फैला हुआ है और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। यह सफल कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिंत्रे, पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर (जोन-2, वसई) तथा सहायक पुलिस आयुक्त देवेंद्र पोल (वसई डिवीजन) के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई को वसई पुलिस स्टेशन की प्रभारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सौरभ पवार, पुलिस निरीक्षक (अपराध) प्रकाश मसाल तथा अपराध शाखा की टीम ने वन विभाग के अधिकारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया। मामले की आगे की जांच जारी है।

रईस हाई स्कूल में सेवानिवृत्त तीन कर्मचारियों का हर्षोल्लास से सम्मान कर दी गयी विदाई

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी में विद्यालय के तीन सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों में अर्थशास्त्र की शिक्षिका शाहेदा परवीन मोमिन, भौतिकी विभाग के वरिष्ठ शिक्षक फिरोज मोमिन तथा सिपाही जहीर शेख के सम्मान में सेवासंपूर्ति समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता के.एम.ई. सोसायटी के सचिव दानियाल शफीक काजी ने की। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों की दीर्घकालीन एवं निष्ठापूर्ण सेवाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ज़ियाउर्रहमान अंसारी ने कहा कि तीनों कर्मचारियों के समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और परिश्रम ने संस्था की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर शिक्षकों, गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों एवं प्रशासनिक पैनल के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की। सेवानिवृत्त सदस्यों ने संस्था, प्रबंधन, सहकर्मियों एवं विद्यार्थियों से मिले सहयोग और स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया तथा संस्था की निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं दीं। अंत में तीनों सेवानिवृत्त सदस्यों को पवित्र कुरआन शरीफ, शॉल, पुष्पगुच्छ, उपहार एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन शमीम इकबाल मोमिन ने किया।

जिला परिषद पालघर में मनाई गई क्रांतिसिंह नाना पाटील की जयंती

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में सोमवार 3 अगस्त 2026 को महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी एवं प्रति सरकार के जनक क्रांतिसिंह नाना पाटील की जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि क्रांतिसिंह नाना पाटील ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा किया। वर्ष 1943 में सातारा क्षेत्र में स्थापित प्रति सरकार के माध्यम से उन्होंने स्वराज, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की मिसाल कायम की। उनका त्याग, राष्ट्रभक्ति और जनसेवा का जीवन आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने क्रांतिसिंह नाना पाटील के राष्ट्रनिर्माण में दिए गये अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पानी एवं स्वच्छता) अतुल पारसकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी सहित जिला परिषद के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

घोड़बंदर रोड के गड्ढों पर शिवसेना का अल्टीमेटम, 48 घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो एफआईआर और आंदोलन की चेतावनी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। ठाणे-घोड़बंदर रोड पर फाउंटेन से गायमुख तक फैले गड्ढों और लगातार लग रहे यातायात जाम को लेकर शिवसेना ने मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय का रुख किया है। शिवसेना नेता राजू भोईर ने पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर महापौर और नगर प्रशासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि फाउंटेन से गायमुख तक की सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आम नागरिक, मरीज, महिलाएं, कर्मचारी और वाहन चालक गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है, इसके बावजूद सड़क की मरम्मत में अपेक्षित तेजी नहीं दिखाई जा रही है। राजू भोईर ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा सड़क मरम्मत कार्य में प्रशासनिक स्तर पर बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं, जिससे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते गड्ढों की मरम्मत नहीं की गई तो किसी भी दुर्घटना की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों पर होगी। ज्ञापन में पुलिस प्रशासन से मांग की गई है कि फाउंटेन से गायमुख मार्ग सहित मीरा-भायंदर क्षेत्र के सभी जानलेवा गड्ढों को 48 घंटे के भीतर युद्धस्तर पर भरने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समय के भीतर कार्रवाई नहीं हुई और गड्ढों के कारण कोई गंभीर दुर्घटना या जनहानि होती है, तो महापौर और नगर आयुक्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। शिवसेना ने यह भी कहा है कि यदि पुलिस और प्रशासन ने समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो पार्टी शहर भर में आक्रामक आंदोलन करेगी।

डॉ. फिक्सिट ने पंढरपुर वारी 2026 में वारकरियों के लिए सुरक्षा का अपना वादा बढ़ाया

मुंबई/नई दिल्ली। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वॉटरप्रूफिंग सॉल्यूशन ब्रांड, डॉ. फिक्सिट ने घरों से आगे बढ़कर सुरक्षा का अपना वादा निभाया है। इसके तहत उन्होंने महाराष्ट्र की सबसे पवित्र आध्यात्मिक यात्राओं में से एक, पंढरपुर वारी 2026 में शामिल होने वाले वारकरियों की मदद की। डॉ. फिक्सिट पंढरपुर वारी 2026 पहल के तहत कई तरह की सहायता दी गई, ताकि मॉनसून के मौसम में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को आसानी हो।

भिवंडी में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई इलाकों में घर-दुकानों में घुसा पानी

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। शहर में रातभर हुई मूसलाधार बारिश के चलते सुबह कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। लगातार बारिश के कारण शहर से सटी कामवारी नदी ने खतरे का निशान पार कर लिया, जिससे नदी नाका, ईदगाह रोड और म्हाडा कॉलोनी सहित आसपास के इलाकों में लोगों के घरों में पानी घुस गया। भारी बारिश के कारण भाजी मार्केट और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक क्षेत्र में भी दुकानों में पानी भर गया। ईदगाह परिसर में कमर तक पानी जमा होने से महिलाओं समेत स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं भाजी मार्केट में बड़े पैमाने पर जलभराव होने से सब्जी विक्रेताओं और खरीदारी के लिए पहुंचे नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बारिश और जलभराव के कारण शहर का जनजीवन प्रभावित रहा। वहीं कामवारी नदी किनारे गैरेज पर बनने के लिये खड़ी गाड़ियों में एक मिनी बस नदी में चली गयी जिसे पानी कम होने पर निकाला गया।

बोईसर बाणगंगा शिव कांवर यात्रा में राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ द्वारा विशाल सेवा शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। पवित्र श्रावण मास में आयोजित बोईसर बाणगंगा शिव कांवर यात्रा के अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ (पालघर जिला इकाई) द्वारा शिवभक्तों की सेवा के उद्देश्य से एक विशाल सेवा शिविर का सफल आयोजन किया गया। बोईसर के चित्रालय स्थित सम्राट होटल परिसर में लगाये गये इस शिविर में दूर-दराज से आये सैकड़ों कांवरियों और श्रद्धालुओं को शीतल पेयजल, जलपान तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई।

सेवा शिविर में बोईसर शहर के अनेक समाजसेवी एवं पत्रकार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संघ की ओर से शोभनाथ त्रिपाठी, स्वामीनाथ पाण्डेय, नंदन मिश्रा, राम प्रकाश निराला, जे.पी. करोतिया,

ओमप्रकाश द्विवेदी, अजीत सिंह, रामनरेश यादव, जिलेदार वर्मा, सुशील तिवारी, भावेश भानुशाली, डॉ. स्वप्निल शिंदे, बी.एन. सिंह, मनदेव दुबे, भावेश मोरे, प्रेम अग्रवाल, संगीता मिश्रा सहित उपस्थित अन्य मान्यवरों का पुष्पगुच्छ एवं गमछा भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की सफलता में राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ की महिला मंडली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महिला कार्यकताओं ने पूरे सेवा भाव के साथ पेयजल व खाद्य सामग्री के वितरण की जिम्मेदारी निभाई। वहीं शिविर की व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने में गौरक्षक दल के कार्यकताओं ने भी सराहनीय सहयोग प्रदान किया। इस सेवा शिविर को सफल बनाने में संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में शिव शंकर तिवारी, ललित माली, यजुवेंद्र सावे, रोहित सिंह, आदेश श्रीवास्तव, विनोद शर्मा, हेमंत जैन, भीम गढ़वी, पवन उपाध्याय, पुष्पा तिवारी, शिल्पा सावे, चांदनी सिंह, संगीता शाह सहित बड़ी संख्या में संघ के कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के पदाधिकारियों ने शिवभक्तों, सहयोगियों, महिला मंडली, गौरक्षक दल तथा मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाज सेवा के ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर साकीनाका में नि :शुल्क ब्रेस्ट कैंसर जांच शिविर, महिलाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिती

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के अवसर पर बहन लाडकी मुख्यमंत्री की लें उसकी सेहत की जिम्मेदारी विशेष अभियान के तहत साकीनाका के परेरावाड़ी पाइपलाइन क्षेत्र में महिलाओं के लिए निःशुल्क ब्रेस्ट कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भारतीय जनता पार्टी, प्रभाग क्रमांक 159 तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगरसेवक एवं मनपा सार्वजनिक स्वास्थ्य समिति सदस्य प्रकाश देवजी मोरे की पहल पर उनके जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित किया गया। शिविर में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लेकर

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कराई। महानगरपालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं चिकित्सा दल ने महिलाओं की जांच करने के साथ-साथ ब्रेस्ट कैंसर की समय पर पहचान, जागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की।

इस अवसर पर प्रकाश मोरे ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले स्वास्थ्य अधिकारियों, डॉक्टरों, नर्सों तथा भाजपा महिला पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

सुब्रोतो मुखर्जी अंतरस्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता में तारापुर विद्यामंदिर का शानदार प्रदर्शन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र राज्य क्रीड़ा एवं युवक सेवा संचालनालय तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी, पालघर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सुब्रोतो मुखर्जी अंतरस्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बोईसर स्थित ए.ई.सी.एस. मैदान में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में जिले की विभिन्न स्कूलों की टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

प्रतियोगिता में 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालकों की 16 टीमें, 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालकों की 8 टीमें तथा 17 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिकाओं की 4 टीमों ने भाग लिया। रोमांचक मुकाबलों व शानदार खेल भावना ने प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में तारापुर विद्यामंदिर एवं जूनियर कॉलेज, एमआईडीसी, बोईसर की टीम ने

शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। ए.ई.सी.एस. स्कूल क्रमांक-2 उपविजेता रहा, जबकि चिन्मय विद्यालय, बोईसर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 17 वर्ष से कम आयु वर्ग (बालक) में सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय, पालघर विजेता बना। ए.ई.सी.एस. स्कूल क्रमांक-3 ने उपविजेता का गौरव हासिल किया, जबकि तारापुर विद्यामंदिर एवं जूनियर कॉलेज, एमआईडीसी, बोईसर ने तीसरा स्थान प्राप्त कर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन की छाप छोड़ी। 17 वर्ष से कम आयु वर्ग (बालिका) में डॉन बॉस्को स्कूल, बोईसर ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं तारापुर विद्यामंदिर एवं जूनियर कॉलेज, एमआईडीसी, बोईसर की टीम ने उपविजेता बनकर जिले में महिला फुटबॉल में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई। प्रतियोगिता का सफल आयोजन जिला क्रीड़ा अधिकारी सुहास व्हनमाने के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में निर्णायकों, प्रशिक्षकों, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्यों, क्रीड़ा शिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं आयोजन समिति का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुलुंड की 256 एकड़ मिठागर भूमि बचाने हेतु शांतिपूर्ण जनआंदोलन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। क्रांति दिवस (09 अगस्त) के ऐतिहासिक अवसर पर एकता - द पावर ऑफ यूथ एंड यूनिटी (NGO) द्वारा मुलुंड (पूर्व), मुंबई स्थित 256 एकड़ मिठागर (Salt Pan) भूमि के संरक्षण हेतु नमक सत्याग्रह 2026 का आयोजन किया जा रहा है। महात्मा गांधी के ऐतिहासिक नमक सत्याग्रह से प्रेरित यह जनआंदोलन मुंबई की पर्यावरणीय धरोहर, वेटलैंड्स तथा मिठागर भूमि के संरक्षण के लिए जनजागरण एवं जनभागीदारी का संदेश देगा। आंदोलन का नेतृत्व राकेश शंकर शेट्टी, संस्थापक एवं अध्यक्ष, एकता -द पावर ऑफ यूथ एंड यूनिटी (NGO) करेंगे। इसमें पर्यावरणविद्,

सामाजिक कार्यकर्ता, आवासीय संस्थाएँ, युवा संगठन तथा बड़ी संख्या में नागरिक भाग लेंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व का समर्थन

इस जनआंदोलन को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का समर्थन प्राप्त हुआ है। नश्रीमती वर्षाताई एकनाथ गायकवाड़ अध्यक्ष, मुंबई रीजनल कांग्रेस कमेटी, हर्षवर्धन वसंतराव सपकाल अध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी,मोहम्मद आरिफ (नसीम) खान -कार्यकारी अध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस आंदोलन का समर्थन करते हुए आंदोलन में शामिल होने की सहमति दी है। राकेश शंकर शेट्टी ने बताया कि 9 अगस्त को प्रातः 11 बजे मुलुंड पूर्व के ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे स्थित मिठागर भूमि पर यह आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य 256 एकड़ मिठागर भूमि का संरक्षण, पर्यावरण संतुलन की रक्षा, इस भूमि के महत्व के प्रति जन जागरूकता पैदा करना है। आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं अहिंसात्मक रहेगा।

नवघर पुलिस की बड़ी सफलता: वाहन चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार, दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवघर पुलिस स्टेशन ने वाहन चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। जांच के दौरान नवघर, ओशिवारा तथा आंचोली पुलिस स्टेशन में दर्ज वाहन चोरी के तीन मामलों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, नवघर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 417/2026 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता सचिन हरि कलाम्बते (40), निवासी महादेव प्लाजा, साईबाबा नगर, नवघर रोड, भायंदर पूर्व, ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 24 जुलाई 2026 की रात से 25 जुलाई 2026 की दोपहर के बीच उनकी होंडा एक्टिवा (एमएच-04-एचपी-1592), जिसकी कीमत लगभग 10 हजार रुपये है, अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के तकनीकी एवं गोपनीय साक्ष्यों के आधार पर आरोपी अलाउद्दीन शोएब अंसारी (23), निवासी 30 नंबर चॉल, रॉयल पंप, आरे, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद पुलिस हिरासत प्राप्त की गई। पूछताछ के दौरान उसके पास से दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी नवघर पुलिस स्टेशन के अलावा ओशिवारा पुलिस स्टेशन तथा आंचोली पुलिस स्टेशन में दर्ज वाहन चोरी के मामलों में भी शामिल है। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है और उसके विरुद्ध डी.एन. नगर तथा बांगुरनगर पुलिस स्टेशन में वाहन चोरी एवं चोरी से जुड़े कई पुराने मामले पहले से दर्ज हैं। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिंत्रे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण (जोन-1) तथा सहायक पुलिस आयुक्त सोहेल शेख (नवघर डिवीजन) के मार्गदर्शन में की गई।

भिवंडी में एसआईआर के काम में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ शिक्षक पर नायब तहसीलदार ने कराया मामला दर्ज

भिवंडी। राज्यभर मतदाता सूचियों के गहन निरीक्षण अभियान (एसआईआर) का काम चल रहा है। सरकार ने इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इसी बीच भिवंडी में एसआईआर कार्य में कथित लापरवाही बरतने वाले बीएलओ शिक्षक रवीन्द्र त्र्यंबक सदावर्ते के खिलाफ शांतिनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई से चुनावी ड्यूटी में लगे कर्मचारियों में खलबली मच गई है। वह काल्हेर स्थित कै. अनंत लक्ष्मण पाटिल महाविद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें एसआईआर के तहत मतदाता सूची से संबंधित फॉर्म वितरित करने और उनके डिजिटाइजेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। आरोप है कि सदावर्ते ने निर्धारित कार्य में केवल 16 प्रतिशत फॉर्म का वितरण किया, जबकि डिजिटाइजेशन का काम महज 4 प्रतिशत ही पूरा किया। काम में कथित टालमटोल और लापरवाही को लेकर भिवंडी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के चुनाव कार्य के नायब तहसीलदार मुबारक तड़वी ने रविवार को शांतिनगर पुलिस थाने में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

काशी विश्वनाथ दर्शन से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक से टकराई, दो की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ में सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में काशी विश्वनाथ मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में कार सवार दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी पांच श्रद्धालु उन्नाव जनपद के निवासी थे और वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद अपने घर लौट रहे थे। कुल्हनामऊ के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए।

हादसे की सूचना मिलते ही बक्सा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने दो श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन घायलों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

उन्नाव में रिटायर्ड दरोगा ने लाइसेंसी बंदूक से खुद को मारी गोली, कानपुर ले जाते समय मौत

उन्नाव (उत्तरशक्ति)। सदर कोतवाली क्षेत्र के पीडी नगर मोहल्ले में रविवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। एलआईयू (स्थानीय अभिसूचना इकाई) से सेवानिवृत्त दरोगा रामजीत सिंह (65-67 वर्ष) ने अपनी लाइसेंसी एकनाल बंदूक से खुद को गोली मार ली। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, रामजीत सिंह लंबे समय से कई गंभीर बीमारियों से परेशान थे और उनका इलाज चल रहा था। परिजनों के मुताबिक, शारीरिक समस्याओं के कारण वह मानसिक तनाव में भी रहते थे। रविवार रात भोजन करने के बाद वह अपने कमरे में चले गए, जहां उन्होंने अपनी लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली।

गोली चलने की आवाज सुनकर उनका बेटा अभिषेक कमरे में पहुंचा तो उन्हें खून से लथपथ हालत में पाया। आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर कानपुर के रीजेंसी अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और लाइसेंसी बंदूक को कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

सावन के प्रथम सोमवार पर काशी में उमड़ा आस्था का सैलाब, ड्रोन से हुई निगरानी

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सावन के प्रथम सोमवार पर बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। काशी विश्वनाथ धाम समेत शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही।

भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों की मदद ली गई। ड्रोन के जरिए मंदिर परिसर, आसपास के क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले स्थानों की निगरानी की गई, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार मौके का निरीक्षण करते रहे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग, यातायात नियंत्रण, रूट डायवर्जन, पेयजल, साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई। सावन के पहले सोमवार को काशी में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। प्रशासन की मुस्तैदी और बेहतर प्रबंधन के चलते श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण माहौल में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए।

बिना नोटिस राशन कार्ड निरस्त करना अवैध, हाईकोर्ट ने दिया बड़ा फैसला

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राशन कार्ड धारकों के अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति का राशन कार्ड बिना पूर्व नोटिस और पक्ष रखने का अवसर दिए निरस्त नहीं किया जा सकता। ऐसी कार्रवाई कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने शामली निवासी कलम सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद बिना किसी सूचना के उनका पात्र गृहस्थी राशन कार्ड निरस्त कर दिया गया, जिससे परिवार के सामने खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गया।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि राशन कार्ड निरस्त करने से पहले संबंधित व्यक्ति को नोटिस देना और अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर देना आवश्यक है। बिना सुनवाई के की गई कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन मानी जाएगी।

अदालत ने राशन कार्ड निरस्तीकरण के आदेश को रद्द करते हुए याची का पात्र गृहस्थी राशन कार्ड तत्काल बहाल करने और उसका नवीनीकरण जारी रखने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले को राशन कार्ड धारकों के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

धोखाधड़ी व कूटरचना के मामले में चकबंदी लेखपाल गिरफ्तार, शाहगंज पुलिस की कार्रवाई

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज पुलिस ने धोखाधड़ी और कूटरचना के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त चकबंदी लेखपाल के पद पर तैनात है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए अरुण कुमार पुत्र स्व. रमेश प्रसाद निवासी ग्राम मवईया थाना सिंधोरा, जनपद वाराणसी को गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक अभियुक्त वर्तमान में चकबंदी लेखपाल के पद पर राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र में तैनात है और शाहगंज थाना क्षेत्र के नटौली में रह रहा था।

मामले में कैराडीह निवासी अमित कुमार पुत्र हरिराम यादव ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि चक संख्या 488, गाटा संख्या 1157/1 समेत कुल 15 गाटों की करीब 206 एकड़ भूमि से संबंधित मामले में धोखाधड़ी एवं कूटरचना की गई। न्यायालय के आदेश पर थाना शाहगंज में मुकदमा संख्या 195/2026 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता-2023 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध उक्त मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह एवं उपनिरीक्षक सुनील वर्मा थाना शाहगंज शामिल रहे।

इटौरी बाजार में कार की चपेट में आने से 8 वर्षीय मासूम की मौत

कलीम सिद्दीकी

सरायख्वाजा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के इटौरी बाजार में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 8 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि ग्रामीणों ने दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार हडहीं गांव निवासी विकास बनवासी का पुत्र खट्टूल बनवासी (8) रविवार सुबह अपने एक साथी के साथ इटौरी बाजार सामान खरीदने गया था। इसी दौरान एक आर्टिका कार की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सरायख्वाजा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त आर्टिका कार और उसके चालक को भी हिरासत में ले लिया है।

हादसे के बाद मृतक के परिजन और गांव के दर्जनों ग्रामीण सरायख्वाजा थाने पहुंच गए और आरोपी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

राजा होटल के पास बाइक से गिरकर वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के विकासखंड बक्सा क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-731 पर स्थित राजा होटल के समीप सोमवार को एक सड़क हादसे में बाइक से गिरकर एक वृद्ध महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वृद्ध महिला बाइक पर पीछे बैठकर कहीं जा रही थीं। राजा होटल के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित हो गई, जिससे महिला सड़क पर गिर पड़ीं। हादसे में उनके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हो गईं। बाइक चला रहे युवक ने घायल महिला की पहचान अपनी माता पराना के रूप में बताते हुए कहा कि वे विकासखंड बक्सा के करनपुर गांव की निवासी हैं। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को प्राथमिक उपचार देने के बाद नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

सीज मकान पर अवैध निर्माण का विरोध करने पर अधिवक्ता से मारपीट, गंभीर रूप से घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वीडीए द्वारा सीज किए गए मकान पर हो रहे कथित अवैध निर्माण का विरोध करना एक अधिवक्ता को भारी पड़ गया। आरोप है कि दबंगों ने अधिवक्ता के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया। अधिवक्ताओं ने वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि जब मकान सीज था तो वहां निर्माण कार्य कैसे जारी रहा और छत तक कैसे डाल दी गई। अधिवक्ताओं ने वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अवैध निर्माण करने वालों और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो अधिवक्ता आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

घायल अधिवक्ता को साथी अधिवक्ताओं द्वारा तत्काल पंडित दीनदयाल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मामले को लेकर पुलिस और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई है।

पट्टे के नाम पर लाखों की वसूली का आरोप, तीन ग्रामीणों ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तहसील क्षेत्र के ग्राम रामपुर परगना मुंगरा के तीन ग्रामीणों ने पूर्व हल्का लेखपाल अवधेश गुप्ता पर आवासीय पट्टे की जमीन दिलाने के नाम पर धनराशि लेने का आरोप लगाया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकताओं का आरोप है कि वर्ष 2023 में आवासीय पट्टे की रिपोर्ट लगाने के नाम पर उनसे रुपये लिए गए थे, लेकिन करीब तीन वर्ष बीतने के बाद भी न तो उन्हें पट्टा मिला और न ही उनकी रकम वापस की गई। प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गुलाब सरोज से 75 हजार रुपये, सोमवारी देवी से 65 हजार रुपये और तूफानी बनवासी से 25 हजार रुपये लिए गए। पीड़ितों का कहना है कि जब उन्होंने अपनी धनराशि वापस मांगी तो उन्हें कथित रूप से धमकाया गया तथा जमीन संबंधी प्रतिकूल रिपोर्ट लगाने और झूठे मुकदमे में फंसाने की बात कही गई। तीनों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करने और अपनी धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

नोटः यह खबर शिकायतकताओं द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। संबंधित पूर्व लेखपाल का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है। प्रशासनिक जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

बरसठी पुलिस ने वारंटी आरोपी को किया गिरफ्तार, आबकारी एक्ट में था वांछित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बरसठी पुलिस ने एक वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बरसठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार न्यायालय जौनपुर द्वारा जारी वारंट मुकदमा संख्या 172/24, धारा-60 आबकारी अधिनियम से संबंधित अभियुक्त मनोज बिन्द पुत्र स्वर्गीय मुन्नर बिन्द निवासी ग्राम हसिया, थाना बरसठी, जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे संबंधित न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार दूबे एवं मुख्य आरक्षी जय यादव थाना बरसठी, जनपद जौनपुर शामिल रहे।

दिव्यांगजनों की समस्याओं के समाधान के लिए 7 अगस्त को जौनपुर में लगेगा मोबाइल कोर्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के दिव्यांगजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 07 अगस्त 2026 को विकास भवन सभागार जौनपुर में मोबाइल कोर्ट (दिव्यांगजन हेतु न्यायालय) का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राजेश कुमार नायक ने बताया कि राज्य आयुक्त दिव्यांगजन उत्तर प्रदेश के निर्देश पर आयोजित होने वाले इस मोबाइल कोर्ट में दिव्यांगजन अपनी शिकायतों और समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। मोबाइल कोर्ट में जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे, जिनमें स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, प्रोबेशन, पूर्ति, परिवहन, श्रम, पंचायत राज, विद्युत एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों की समस्याओं का निर्धारित तिथि पर ही निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने जनपद के सभी दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

तेज रफ्तार आर्टिका ने भगत सिंह की प्रतिमा को मारी टक्कर, सात घायल

प्रतिमा क्षतिग्रस्त होकर जमीन पर गिरी, आर्टिका के उड़े परखच्चे

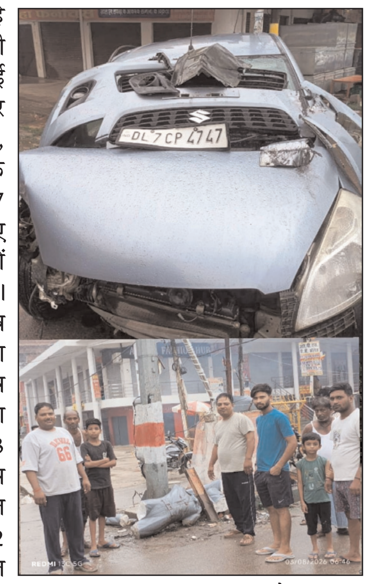

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के सरायबीरू चौराहे पर लगी शहीद भगत सिंह की प्रतिमा उस समय क्षतिग्रस्त हो गई जब अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार आर्टिका ने जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भयानक थी कि आर्टिका में सवार महिला समेत 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई।

विदित हो कि देवकली गांव निवासी शिवम मिश्रा पुत्र दिनेश मिश्रा 24 वर्ष, आशुतोष पाठक पुत्र कैलास पाठक 19 वर्ष,राधिका पाठक पत्नी सुभाष चंद पाठक 73 वर्ष,सुभाष चंद पाठक पुत्र जगरनाथ पाठक 74 वर्ष, कौशल पाठक पुत्र सुभाष चंद पाठक 42 वर्ष, सुधा पाठक पत्नी कौशल पाठक 40 वर्ष व मानवी पाठक पुत्री कौशल पाठक 16वर्ष परिवार समेत सावन के पहले सोमवार को दर्शन करने के लिए मारकंडे धाम जा रहे थे। करीब 3 बजे भोर में जैसे ही सरायबीरू चौराहे पर पहुंची की आर्टिका अनियंत्रित होकर चौराहे पर स्थापित शहीद भगत प्रतिमा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही प्रतिमा क्षतिग्रस्त होकर जमीन पर जा गिरी वही आर्टिका के आगे का हिस्सा परखच्चे उड़ गए और सवार महिला समेत 7 लोग घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई जहां चिकित्सकों ने घायलों की स्थिति नाजुक देख ट्रामा सेंटर वाराणसी रिफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार घायलों की स्थिति में सुधार बताया जा रहा है।वही टक्कर का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

इस सम्बन्ध में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला महामंत्री भाजपा अनुसूचित मोर्चा मछलीशहर उत्तर प्रदेश अजय सोनकर शास्त्री ने यह मांग किया है कि शीघ्र प्रतिमा स्थापित किया जाये।

जौनपुर सदर में सात संपर्क मार्गों का लोकार्पण, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सदर विधानसभा क्षेत्र में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के अंतर्गत निर्मित सात संपर्क मार्गों का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं के पूरा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और किसानों, विद्यार्थियों तथा आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

लोकार्पित परियोजनाओं में खेतासराय-दीदारगंज मार्ग से जैगहों तक 0.55 किमी संपर्क मार्ग (लागत 19.77 लाख रुपये), गुरैनी-सोंगर मार्ग से यादव-प्रजापति बस्ती होते हुए गुरैनी तक 0.50 किमी सड़क (14.80 लाख रुपये), जपटापुर-भुड़कुडा पिच रोड से लपरी नहर तक 0.40 किमी संपर्क मार्ग (40.12 लाख रुपये) तथा मीरापुर-मुबारकपुर मार्ग से पूरा अंधरी गांव में राजीव यादव के घर तक 0.35 किमी सड़क (12.11 लाख रुपये) शामिल हैं।

इसके अलावा जौनपुर-खुटहन मार्ग से छतौरा तक 0.50 किमी संपर्क मार्ग (15.70 लाख रुपये), जौनपुर-खुटहन मार्ग पर मीरापुर पिच रोड से गुलालपुर तक 0.45 किमी सड़क (17.51 लाख रुपये) तथा कोइरीडीहा-मल्हनी मार्ग पर ग्राम सभा जर्गे पिच रोड से जर्सी में अरविंद यादव के घर तक 0.37 किमी संपर्क मार्ग (17.19 लाख रुपये) का भी लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि सरकार जनहित से जुड़ी विकास योजनाओं को तेजी से पूरा करा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण संपर्क मार्गों के सुदृढ़ होने से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों को विशेष लाभ होगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, ग्राम प्रधान एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सरायख्वाजा पुलिस की कार्रवाई, दो वारंटी आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सरायख्वाजा पुलिस ने दो वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सदर परमानन्द सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार वारंटी अभियुक्त प्रकाश दूबे पुत्र विनोद सिंह निवासी ग्राम पयागपुर थाना सरायख्वाजा, जौनपुर को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरे वारंटी अप्रैल बोगी बिन्द पुत्र छंगू राम निवासी सैफपुर जपटापुर थाना सरायख्वाजा, जौनपुर को भी उसके आवास से गिरफ्तार किया गया।

बोगी बिन्द के विरुद्ध वारंट एसटी संख्या 60/2019 में धारा 323, 506, 376, 511, 354(ख) भादवि एवं 11/12 पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामला दर्ज है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह, उपनिरीक्षक शिवकुमार यादव, हेड कांस्टेबल धनन्जय यादव एवं हेड कांस्टेबल रणजीत यादव थाना सरायख्वाजा शामिल रहे। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की।

न्यायालयों में लंबित मामलों के निस्तारण के लिए जौनपुर में शुरू हुआ मध्यस्थता अभियान-3.0

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर के तत्वावधान में ह्लराष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान-3.0ह्व का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 01 अगस्त 2026 से 30 दिसम्बर 2026 तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयों में लंबित वादों का अधिक से अधिक संख्या में आपसी सहमति से निस्तारण कराना है।

प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर ने बताया कि यह अभियान एमसीपीसी नई दिल्ली, माननीय अध्यक्ष मीडिएशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ तथा सुशील कुमार शशि, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर के निर्देशों के क्रम में संचालित किया जा रहा है।

मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा विवाद, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति बंटवारे, बेदखली, भूमि अधिग्रहण सहित अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर कराया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने वादकारियों एवं अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे अपने लंबित मामलों को मध्यस्थता के लिए संबंधित न्यायालयों में संदर्भित कराएं और इस अभियान का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक मामलों का शीघ्र समाधान कराएं।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 15 अगस्त तक मिलेगा मौका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत जनपद के पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण एवं टूलकिट उपलब्ध कराने के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 15 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

डिप्टी कमिश्नर इंडस्ट्रीज, जौनपुर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के अंतर्गत दर्जी, हलवाई, बढ़ई, कुम्हार, नाई, राजमिस्त्री, लोहार, मोची, धोबी सहित विभिन्न ट्रेडों में 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद पात्र लाभार्थियों को टूलकिट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने बताया कि पहले आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित थी, लेकिन पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण इसे बढ़ाकर 15 अगस्त 2026 कर दिया गया है। इच्छुक आवेदक विभागीय वेबसाइट www.msme.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक के पास पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र एवं परंपरागत कार्य से संबंधित प्रमाण पत्र (प्रधान/सभासद द्वारा प्रमाणित) होना आवश्यक है। आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वह जनपद जौनपुर का स्थायी निवासी होना चाहिए।

अधिक जानकारी के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, जौनपुर में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है। वरिष्ठ सहायक से मोबाइल नंबर 6388820152 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जौनपुर में सब-जूनियर बालक कुश्ती खिलाड़ियों का चयन 6 अगस्त को, मंडल स्तर पर वाराणसी में होगा ट्रायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता 21 से 23 अगस्त 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम कौशांबी में आयोजित होगी। क्रीड़ा अधिकारी अशोक सोनकर ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए जनपद जौनपुर के सब-जूनियर बालक कुश्ती खिलाड़ियों का जनपदीय चयन/परीक्षण 6 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से इंदिरा गांधी स्टेडियम, सिद्दीकपुर जौनपुर में किया जाएगा।

जनपद स्तर पर चयनित खिलाड़ी ही 8 अगस्त 2026 को डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, सिगरा वाराणसी में आयोजित मंडल स्तरीय चयन/ट्रायल में प्रतिभाग करेंगे। मंडल स्तर पर चयन के बाद वाराणसी मंडल की टीम का गठन किया जाएगा, जो प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जिनकी जन्मतिथि 01 जनवरी 2009 से 31 दिसंबर 2010 के मध्य होगी। वर्ष 2011 में जन्मे खिलाड़ी माता-पिता की लिखित अनुमति प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। चयन के समय खिलाड़ियों को आयु संबंधी मूल अभिलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

प्रतियोगिता के भार वर्ग इस प्रकार हैं–

फ्री स्टाइल वर्गः 41-45 किग्रा, 51 किग्रा, 55 किग्रा, 65 किग्रा, 71 किग्रा, 80 किग्रा, 92 किग्रा एवं 110 किग्रा।

ग्रीको रोमन वर्गः 41-45 किग्रा, 51 किग्रा, 55 किग्रा, 65 किग्रा, 71 किग्रा, 80 किग्रा, 92 किग्रा एवं 110 किग्रा।

क्रीड़ा अधिकारी ने इच्छुक खिलाड़ियों से समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

कांवड़ यात्रा में विशालकाय डीजे वाहन से हादसा टला, मची अफरा-तफरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सावन के पावन अवसर पर निकाली जा रही कांवड़ यात्रा के दौरान सोमवार को मड़ियाहूं कस्बे के गोला बाजार में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यात्रा में शामिल ट्रैक्टर पर लगा विशालकाय डीजे अचानक असंतुलित हो गया, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाजार की संकरी सड़क और डीजे के बड़े आकार के कारण वाहन को आगे बढ़ाने में परेशानी हो रही थी। इसी दौरान डीजे का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे स्थित एक मकान की ओर झुक गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को संभाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना के समय यात्रा में शामिल लोगों और स्थानीय नागरिकों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने भीड़भाड़ वाले इलाकों में बड़े डीजे वाहनों के संचालन पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि ऐसे वाहनों से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि धार्मिक जुलूसों और आयोजनों में शामिल डीजे वाहनों की ऊंचाई, चौड़ाई, ध्वनि स्तर और सुरक्षा मानकों की पहले से जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

झुलसे बालक के इलाज को लेकर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, अधिकारियों के आश्वासन पर शांत हुआ मामला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के पूरनपुर गांव में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे बालक शिवम के उपचार को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। इलाज को लेकर नाराज परिजन बालक को लेकर विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया।

जानकारी के अनुसार, हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से बालक शिवम गंभीर रूप से झुलस गया था। वाराणसी के एक अस्पताल में करीब 16 दिनों तक इलाज चलने के बाद चिकित्सकों ने उसे घर ले जाकर देखभाल करने की सलाह दी। इससे नाराज परिजन बालक को लेकर मनियरा मोड़ स्थित विद्युत विभाग कार्यालय पहुंच गए। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां जुट गए और सड़क पर चक्काजाम कर दिया।

ग्रामीणों का आरोप था कि विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बालक हादसे का शिकार हुआ, लेकिन अब उसके बेहतर इलाज की व्यवस्था नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने समुचित उपचार और आर्थिक सहायता की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और क्षेत्राधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया तथा बालक को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई।

वहीं विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने बालक के उपचार के लिए पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया।

दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने महिला के गले से छीनी सोने की चेन, पुलिस जांच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के तारापुर कॉलोनी सेक्टर नंबर-11 में सोमवार को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने मंदिर से दर्शन कर लौट रही महिला के गले से सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, गोमती नगर कॉलोनी कटघरा निवासी दवा व्यवसायी मोहित कुमार उपाध्याय की पत्नी स्वीटी उपाध्याय सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे तीन अन्य महिलाओं के साथ मंदिर से दर्शन कर वापस लौट रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाश पहुंचे और मौका पाकर उनके गले में पड़ी सोने की चेन छीनकर फरार हो गए।

घटना के बाद महिला ने शोर मचाया, लेकिन जब तक लोग कुछ समझ पाते बदमाश भाग निकलने में सफल रहे। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह और चौकी प्रभारी राहुल रंजन सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कोतवाली क्षेत्र में करीब 20 दिन पहले भी ताड़तला मोहल्ले में बाइक सवार बदमाशों ने सराफा व्यापारी की पत्नी के गले से चेन छीन ली थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। लगातार हो रही चेन स्नेचिंग की घटनाओं से लोगों में चिंता बढ़ गई है।

तालाब में साग काटने गए सब्जी विक्रेता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

निशानाथ

खेतासराय ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के तारगहना गांव निवासी एक सब्जी विक्रेता की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तारगहना गांव निवासी तिलकधारी बिन्द (55 वर्ष) पुत्र रघुराज बिन्द मानीकलां स्थित तालाब में करेमूआ का साग काटने गए थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

तिलकधारी बिन्द क्षेत्र में सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी आकस्मिक मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि किसी जहरीले जीव के काटने से उनकी तबीयत बिगड़ी होगी। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

ऐतिहासिक चेहल्लुम में उमड़ा जनसैलाब, गमगीन माहौल में ताजिया व तुरबत सुपुर्द-ए-खाक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शीराज-ए-हिंद जौनपुर का ऐतिहासिक चेहल्लुम सोमवार को गमगीन माहौल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ऐतिहासिक ताजिया और तुरबत के दीदार के साथ मन्नतें मांगने व उतारने के लिए बड़ी संख्या में अकीदतमंद उमड़ पड़े।

इमामबाड़ा शेख मोहम्मद इस्लाम से निकला जुलूस बेगमगंज स्थित सदर इमामबाड़ा पहुंचा, जहां "ऐ हुसैन अलविदा" की सदाओं के बीच नम आंखों से ताजिया और तुरबत को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर एक बजे मजलिस से हुई। सोजख्वानी और मरसियाख्वानी के बाद मौलाना सै. नदीम रजा जैदी फैजाबादी ने मजलिस को संबोधित किया। इमाम हुसैन की शहादत और उनके मसायब का जिक्र सुनकर मौजूद लोग भावुक हो उठे।

इसके बाद निकले जुलूस में अंजुमनों ने नौहा पढ़ते हुए मातम किया। जुलूस बाजार भुआ, मुल्लाटोला, बारादुअरिया, हम्माम दरवाजा, काजियाना गली, अजमेरी और पुरानी बाजार होते हुए सदर इमामबाड़ा पहुंचा।

इससे पूर्व रविवार की रात इस्लाम चौक पर ताजिया रखा गया था, जहां शब्बेदारी का आयोजन हुआ। रातभर अंजुमनों द्वारा नौहा और मातम किया गया। भोर में अलविदाई मजलिस के बाद अंजुमन गुलशने इस्लाम द्वारा जंजीर का मातम किया गया।

मान्यता है कि जौनपुर का यह ऐतिहासिक चेहल्लुम देशभर में मनाए जाने वाले चेहल्लुम से एक दिन पहले आयोजित होता है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में अकीदतमंद पहुंचते हैं।

मुतवल्ली सै. जाफर हसन जैदी करबलाई और कार्यकारी मुतवल्ली लाडले जैदी ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी हाजी सिराज मेहंदी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इंतजामिया कमेटी ने सफल आयोजन और बेहतर व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

वसई में 6 सितंबर को होगा भव्य - ओणम महोत्सव 2026, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर होंगे मुख्य अतिथि

वसई। प्रतीक्षा फाउंडेशन द्वारा हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले बहुप्रतीक्षित ओणम महोत्सव 2026 एवं सम्मान समारोह का आयोजन इस वर्ष रविवार, 6 सितंबर 2026 को सुबह 10:00 बजे अयप्पा मंदिर सभामंडप, स्टेला, ब्रह्मपुर, वसई (पश्चिम) में किया जाएगा। पिछले 25 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह महोत्सव सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक एकता और भारतीय परंपराओं के संगम का प्रतीक बन चुका है। इस वर्ष समारोह का मुख्य आकर्षण केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की गरिमामयी उपस्थिति होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, पालघर सांसद डॉ. हेमंत सवारा, केरल विधानसभा के विधायक बी. बी. गोपकुमार, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, वसई विधायक स्नेहा दुबे-पंडित, पालघर विधायक राजेंद्र गावित, वसई-विरार महानगरपालिका के विपक्ष के नेता मनोज पाटिल तथा ग्रुप लीडर अशोक शेलके सहित अनेक गणमान्य अतिथि शामिल होंगे।

हाल ही में प्रतीक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भाजपा केरल सेल, महाराष्ट्र प्रदेश के संयोजक उत्तम कुमार ने केरल राजभवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें ओणम महोत्सव 2026 का औपचारिक आमंत्रण दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कार्यक्रम का निमंत्रण स्वीकार करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं और समारोह में शामिल होने की सहमति प्रदान की। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा,

ओणम केवल केरल का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला उत्सव है। मुझे प्रसन्नता है कि महाराष्ट्र के वसई में पिछले 25 वर्षों से इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। मैं इस समारोह में शामिल होकर समाज के विभिन्न वर्गों से मिलने के लिए उत्सुक हूं।

प्रतीक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष उत्तम कुमार ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से वसई में ओणम महोत्सव आयोजित करने का उद्देश्य महाराष्ट्र और केरल की सांस्कृतिक विरासत को एक सूत्र में पिरोना तथा विभिन्न भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के लोगों के बीच भाईचारा और सामाजिक एकता को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा निमंत्रण स्वीकार करना संस्था के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। कार्यक्रम में पारंपरिक स्वागत, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान समारोह तथा पारंपरिक ओणम साध्या भोज का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकताओं, केरल समुदाय के सदस्यों तथा वसई-विरार क्षेत्र के बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रहेगी।

फिनन्याय लीगल एंड फाइनेंस का पटना में शुभारंभ, व्यवसाय से लेकर वित्तीय सेवाएं अब एक ही छत के नीचे

पटना। राजधानी के जगदेव पथ स्थित चंद्र भवन में फिनन्याय लीगल एंड फाइनेंस के कॉर्पोरेट कार्यालय का शुभारंभ किया गया। यह संस्था व्यवसाय, कर, कानूनी एवं वित्तीय सेवाओं के लिए एक समग्र मंच के रूप में कार्य करेगी, जहां स्टार्टअप, उद्यमी, व्यापारी, कंपनियां एवं व्यक्तिगत ग्राहकों को एक ही स्थान पर संपूर्ण समाधान उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यालय का शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रिबेल स्पोकन इंग्लिश के निदेशक कुमार कन्हैया के द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है, जो व्यवसायियों और आम लोगों को भरोसेमंद एवं पारदर्शी कानूनी तथा वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराएं। फिनन्याय इस दिशा में एक सकारात्मक पहल है, जिससे नए उद्यमियों और व्यवसायियों को काफी लाभ मिलेगा। इस अवसर पर फिनन्याय की संस्थापक एवं सीईओ मोनिका कल्याणी ने कहा कि आज के समय में व्यवसाय शुरू करने से लेकर उसके कानूनी एवं वित्तीय अनुपालन तक लोगों को कई अलग-अलग संस्थानों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। फिनन्याय का उद्देश्य इन सभी सेवाओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराकर ग्राहकों का समय और संसाधन दोनों बचाना है। वहीं, सह-संस्थापक एवं एमडी देवज्योति कुमार ने बताया कि संस्था कंपनी रजिस्ट्रेशन, एलएलपी एवं फर्म पंजीकरण, जीएसटी पंजीकरण एवं रिटर्न, आयकर रिटर्न, टीडीएस, पैन-टैन, लेखांकन, पेरोल, टैक्स प्लानिंग, कानूनी ड्राफ्टिंग, एग्रीमेंट, नोटिस का जवाब, ट्रेडमार्क एवं कॉपीराइट, स्टार्टअप इंडिया रजिस्ट्रेशन, एमएसएमई, डिजिटल सिग्नेचर, वेबसाइट डेवलपमेंट सहित व्यवसाय से जुड़ी सभी आवश्यक सेवाएं प्रदान करेगी। मौके पर बड़ी संख्या में उद्यमी, व्यवसायी, युवा स्टार्टअप संस्थापक एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

शादी को लेकर विवाद के बीच प्रेमी युगल ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहा थाना क्षेत्र के कुसियाबहार गांव में सोमवार को शादी की जिद को लेकर प्रेमी युगल द्वारा कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लेने का मामला सामने आया। दोनों की हालत गंभीर होने पर परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मजहलीपट्टी गांव निवासी सूरज (22) पुत्र घूरेराम और कुसियाबहार गांव निवासी संध्या (19) पुत्री रामभवन के बीच प्रेम संबंध होने की बात बताई जा रही है। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन परिजनों की सहमति नहीं मिल रही थी। बताया जा रहा है कि सोमवार को सूरज संध्या के घर पहुंचा था। इसी दौरान शादी को लेकर परिजनों से बातचीत के बीच दोनों ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल दोनों का इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

शाहगंज पुलिस ने शांति भंग के मामले में 7 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस ने शांति भंग की आशंका में 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव और क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना शाहगंज पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार दिनांक 03 अगस्त 2026 को थाना शाहगंज क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत कुल 7 व्यक्तियों को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपियों में संदीप कुमार (38 वर्ष) निवासी पुराना चौक शाहगंज, हरिओम मोदनवाल (40 वर्ष), अंकित मोदनवाल (30 वर्ष), शनि अग्रहरि (32 वर्ष), शशि अग्रहरि (28 वर्ष) (सभी निवासी पुराना चौक कस्बा शाहगंज), अमित गुप्ता (26 वर्ष) निवासी कलाफतपुर थाना पवई जनपद आजमगढ़ तथा सुनील गुप्ता (35 वर्ष) निवासी थाना करौदी कला जनपद सुल्तानपुर शामिल हैं।

पुलिस ने सभी अभियुक्तों को आवश्यक कार्रवाई के बाद संबंधित न्यायालय में पेश किया।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह एवं उपनिरीक्षक ओम प्रकाश पांडेय, थाना शाहगंज शामिल रहे।

बिहार उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत का दावा, समर्थकों में जश्न का माहौल

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार उपचुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के समर्थकों ने उनकी ऐतिहासिक जीत का दावा किया है। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में समर्थकों की ओर से बधाई संदेशों का दौर शुरू हो गया है।

समर्थकों का कहना है कि यह जीत बिहार की राजनीति में नए बदलाव का संकेत होगी और जनता ने एक नए विकल्प पर भरोसा जताया है। हालांकि, चुनाव परिणाम की आधिकारिक पुष्टि निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

फिलहाल सभी की निगाहें उपचुनाव के अंतिम नतीजों पर टिकी हैं। चुनाव परिणाम के बाद ही तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी।

लखनऊ में कांवड़ यात्रा के दौरान स्कूल वैन पर पथराव, मासूम बच्चों की सुरक्षा पर उठे सवाल

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। कांवड़ यात्रा के दौरान राजधानी लखनऊ में एक स्कूल वैन पर पथराव की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि वैन में कई मासूम बच्चे सवार थे। इस घटना के बाद लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। घटना को लेकर लोगों ने इसे बेहद शर्मनाक और निंदनीय बताया है। अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि धार्मिक यात्राओं के दौरान सभी को संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए, ताकि किसी भी निर्दोष को परेशानी न उठानी पड़े। प्रशासन से मांग की जा रही है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर पथराव करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सीएफए इंस्टीट्यूट ने एटलस स्किलटेक यूनिवर्सिटी, आईआईएम बोधगया और बनस्थली विद्यापीठ के साथ भारत में यूनिवर्सिटी एफिलिएशन प्रोग्राम का विस्तार किया

पटना। निवेश पेशेवरों के वैश्विक संगठन सीएफए इंस्टीट्यूट ने एटलस स्किलटेक यूनिवर्सिटी, भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) बोधगया और बनस्थली विद्यापीठ के साथ नए समझौतों के माध्यम से भारत में अपने यूनिवर्सिटी एफिलिएशन प्रोग्राम (यूएपी) का विस्तार किया है। इन नए संस्थानों के जुड़ने से भारत में सीएफए इंस्टीट्यूट से संबद्ध संस्थानों की कुल संख्या 46 हो गई है, जिससे देशभर में उद्योग के लिए जरूरी और उचित व्यवहार-आधारित निवेश शिक्षा को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

सीएफए इंस्टीट्यूट का यूनिवर्सिटी एफिलिएशन प्रोग्राम उन शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता देता है जिनके डिग्री पाठ्यक्रम सीएफए॰ प्रोग्राम पाठ्यक्रम के एक बड़े हिस्से को शामिल करते हैं और उचित व्यवहार, पेशेवर मानकों के अनुकूल निवेश संबंधी ज्ञान पर जोर देते हैं। यह कार्यक्रम संभावित छात्रों को चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए) पदनाम प्राप्त करने में सहायता करेगा, जो कि सबसे सम्मानित और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त निवेश क्रेडेंशियल्स में से एक है।

इन शैक्षणिक संस्थानों का जुड़ना उद्योग-प्रासंगिक वित्त एवं निवेश शिक्षा की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है और भारत भर में सीएफए इंस्टीट्यूट के यूनिवर्सिटी जुड़ाव के प्रयासों को और गति देता है। ऐसी आशा है कि इस कदम से स्नातक होते ही छात्रों को जरूरी कौशल और वैश्विक अवसर मिलेंगे, क्योंकि यह पाठ्यक्रम व्यावहारिक ज्ञान के करीब है। सीएफए इंस्टीट्यूट अपने यूनिवर्सिटी एफिलिएशन प्रोग्राम, फैकल्टी राउंडटेबल, छात्रवृत्ति और छात्र सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से देशभर के विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच के अंतर को कम किया जा सके।

पुष्पवर्षा के बीच बाबा के दरबार उमड़ा आस्था का महाज्वार

-सुरेश गांधी

वाराणसी. सावन माह का पहला सोमवार जैसे ही आया, काशी ने स्वयं को फिर एक बार शिवमय होते देखा। आधी रात ढलने के साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम की ओर बढ़ते कदमों की आहट तेज होने लगी थी। कोई गंगाजल की छोटी कलशी थामे था, कोई बेलपत्र और धतूरा लिए हुए, तो कोई परिवार सहित बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने निकला था। रात के लगभग डेढ़ बजे गोदौलिया की गलियां जाग चुकी थीं। दुकानों के आधे उठे शटर, हाथों में जल कलश लिए श्रद्धालु, कांवरियों की थकी मगर दमकती आंखें और दूर से आती घंटियों की ध्वनि—काशी उस समय सो नहीं रही थी, वह बाबा विश्वनाथ के स्वागत में स्वयं को तैयार कर रही थी। सावन के पहले सोमवार की यह रात धीरे-धीरे भोर में बदल रही थी और भोर की पहली किरण फूटने से पहले ही

धाम के प्रवेश मार्ग श्रद्धालुओं से भर चुके थे.

हर-हर महादेव के उद्घोष से संपूर्ण काशी का वातावरण अलौकिक हो उठा। विश्वनाथ धाम की ओर बढ़ते कदमों का सिलसिला ऐसा था मानो पूरी काशी एक ही दिशा में चल पड़ी हो। धाम परिसर में ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो श्रद्धा स्वयं चलकर बाबा के द्वार पर पहुंच गई हो। महिलाओं के मंगलगीत, कांवड़ियों की टोलियां, शिवभक्त युवाओं का उत्साह और बुजुर्गों की शांत आस्था—इन सबने मिलकर उस दृश्य को एक जीवंत आध्यात्मिक उत्सव में बदल दिया, जिसे शब्दों में पूरी तरह बांध पाना कठिन है। कोई बिहार से आया था, कोई बुंदेलखंड से, कोई राजस्थान से तो कोई दक्षिण भारत से। भाषा अलग-अलग थी, लेकिन हर कंठ पर एक ही पुकार थी—हर-हर महादेव।

सुबह के चार बजते-बजते धाम के प्रवेश मार्ग श्रद्धालुओं से पूरी तरह भर चुके थे। पुलिस बैरिकेडिंग के भीतर कतारें अनुशासित ढंग से आगे बढ़ रही थीं, पर भीड़ का उत्साह हर पल बढ़ता जा रहा था। एक वृद्ध दंपती ने मुस्कुराते हुए कहा, ह्लसाल भर इंतजार रहता है इस सोमवार का। बाबा बुलाते हैं तभी दर्शन होता है।ह्व गंगा स्नान कर लौटते श्रद्धालुओं के गीले वस्त्रों से उठती गंगाजल की गंध, बेलपत्र की हरियाली और धूप-अगरबत्ती की सुगंध मिलकर पूरे वातावरण को अलौकिक बना रही थी। ऐसा लग रहा था मानो काशी की हवा में भी शिवनाम घुल गया हो।

सावन माह के प्रथम सोमवार पर मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा का विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। इसके बाद जब श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा हुई तो कुछ क्षणों के लिए पूरा धाम जयघोष से गूंज उठा। फूलों की पंखुड़ियां श्रद्धालुओं के सिर और कंधों पर गिरती रहीं और अनेक भक्त हाथ जोड़कर आकाश की ओर निहारते रहे। उस क्षण भीड़ नहीं, भक्ति दिखाई दे रही थी। मंडलायुक्त ने प्रदेश और देशवासियों के सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की तथा धाम में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित और सुगम दर्शन की सुविधा मिले। इस दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र, एसडीएम शंभू कुमार और मंदिर प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मंदिर प्रशासन के अनुसार कपाट बंद होने से पहले तक सवा छह लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन और जलाभिषेक कर चुके थे। यह संख्या केवल एक प्रशासनिक आंकड़ा नहीं, बल्कि उस अटूट विश्वास का प्रमाण है जो सदियों से काशी को भारत की आध्यात्मिक राजधानी बनाए हुए है। धाम परिसर में तैनात एक अधिकारी ने बताया कि भीड़ लगातार बढ़ती रही और देर शाम तक दर्शन का क्रम बिना रुके चलता रहा। चिकित्सा शिविर, पेयजल केंद्र, मोबाइल शौचालय और स्वयंसेवकों की टीमें लगातार सक्रिय रहीं। अस्सी घाट से दशाश्वमेध और राजघाट तक सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला दिखाई देता रहा। स्नान के बाद हजारों भक्त गंगाजल लेकर धाम पहुंचे। घाटों पर बजती घंटियां और धाम में गूंजते वैदिक मंत्र एक-दूसरे में घुलते रहे। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो गंगा स्वयं जल लेकर विश्वनाथ के चरणों में उपस्थित हो रही हो। भीड़ असाधारण थी, फिर भी कतारों में धैर्य दिखाई दिया। कहीं स्वयंसेवक वृद्धों को सहारा दे रहे थे, कहीं पुलिसकर्मी बच्चों को सुरक्षित आगे बढ़ा रहे थे। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि प्रतीक्षा लंबी अवश्य रही, लेकिन व्यवस्था संतोषजनक थी। काशी की भीड़ में भी एक अदृश्य अनुशासन दिखाई देता है—शायद इसे ही तीर्थ की संस्कृति कहते हैं।

रोटरी के प्रोजेक्ट मुस्कान से जन्मजात कटे होंठ और तालू से पीड़ित मरीजों को मिलेगा नया जीवन

पटना। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3250 द्वारा डिस्ट्रिक्ट 3291 (कोलकाता) के सहयोग से प्रोजेक्ट मुस्कान के तहत जन्मजात कटे होंठ एवं कटे तालू से पीड़ित बच्चों और वयस्कों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन अभियान चलाया जा रहा है। यह विशेष चिकित्सा शिविर 21 सितंबर से 1 अक्टूबर 2026 तक कोलकाता के एसवीएस मारवाड़ी अस्पताल में आयोजित होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विशेषज्ञ सर्जनों की टीम मरीजों का निःशुल्क उपचार करेगी। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम के अध्यक्ष रोटेरियन राजेश अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य बिहार सहित पूर्वी भारत के उन जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचना है, जो आर्थिक अभाव के कारण इलाज नहीं करा पाते। उन्होंने कहा कि बिहार के विभिन्न जिलों में ऐसे अनेक बच्चे और वयस्क हैं, जिन्हें इस योजना का लाभ मिल सकता है। राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रोजेक्ट मुस्कान केवल एक सर्जरी अभियान नहीं, बल्कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान और जीवन में नया आत्मविश्वास लौटाने का प्रयास है। बिहार के जिन बच्चों और वयस्कों को जन्मजात कटे होंठ या तालू की समस्या है, उनके परिवार आगे आएं। ऑपरेशन, दवाइयां और रहने-खाने की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। हमारा प्रयास है कि बिहार का कोई भी जरूरतमंद मरीज सिर्फ जानकारी के अभाव में इस अवसर से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत मरीजों को निःशुल्क सर्जरी, दवाइयां, रहने एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अभियान में बच्चों के साथ-साथ वयस्क मरीज भी शामिल हो सकते हैं तथा विभिन्न प्रकार के कटे होंठ और कटे तालू की समस्याओं का उपचार किया जाएगा। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम ने बिहार के चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास ऐसे मरीजों की पहचान कर उन्हें इस निःशुल्क उपचार अभियान की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों के जीवन में मुस्कान लौटाई जा सके।

मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर ने बिना बड़ी सर्जरी के मरीज की जानलेवा महाधमनी की सूजन का किया सफल इलाज

मुंबई/कोलकाता। मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर ने बांग्लादेश के 54 वर्षीय एक मरीज का सफल इलाज किया, जो किडनी की समस्या के साथ-साथ एक दुर्लभ और जानलेवा इन्फ्रारेनल एब्डॉमिनल एओर्टिक एन्यूरिज्म (पेट में मौजूद शरीर की सबसे बड़ी रक्त वाहिका यानी महाधमनी के निचले हिस्से में असामान्य रूप से बड़ी सूजन) से पीड़ित था। मरीज सबसे पहले किडनी से जुड़ी समस्या लेकर अस्पताल आया था, जहां उसकी जांच डॉ. अविनंदन बनर्जी, क्लिनिकल लीड झ्र नेफ्रोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर ने की। जांच के दौरान रक्त वाहिकाओं से जुड़ी गंभीर समस्या का पता चला। बीमारी की गंभीरता को देखते हुए मरीज को उन्नत रक्त वाहिका उपचार के लिए भेजा गया। इसके बाद डॉ. सौम्य पात्रा, सीनियर कंसल्टेंट झ्र कार्डियोलॉजी एवं डायरेक्टर कैथ लैब और डॉ. अरिजीत दत्ता, सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विशेषज्ञ, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर ने मिलकर एंडोवैस्कुलर एओर्टिक रिपेयर नामक आधुनिक और बिना बड़ी सर्जरी वाली प्रक्रिया के जरिए सफल इलाज किया। 54 वर्षीय फेडू साहा लंबे समय से धूम्रपान करते थे और वर्ष 2016 में उनकी कोरोनरी आर्टरी बायपास सर्जरी हो चुकी थी। 5 जुलाई 2026 को उन्हें पेट में तेज दर्द, जो पीठ और बाएं पैर तक फैल रहा था, तथा चलने-फिरने में बढ़ती परेशानी के कारण मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर में भर्ती कराया गया। सीटी एंजियोग्राफी जांच में पता चला कि पेट की मुख्य रक्त वाहिका के निचले हिस्से में बहुत बड़ी सूजन बन गई है। इसके अंदर खून का थक्का भी था और रक्त वाहिका की अंदरूनी परत में हल्का चीरा (डिसेक्शन) भी बन गया था। इस वजह से खासकर बाएं पैर में खून का प्रवाह काफी कम हो गया था, जबकि महाधमनी का ऊपरी हिस्सा सामान्य था। सूजन का आकार इतना बड़ा हो गया था कि वह आसपास के अंगों पर भी दबाव डाल रही थी, जिससे मरीज को तेज दर्द और चलने में परेशानी हो रही थी। पूरी जांच के बाद डॉक्टरों ने 6 जुलाई 2026 को पूरी तरह बिना चीरा लगाए एंडोवैस्कुलर एओर्टिक रिपेयर करने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में एंडोवैस्कुलर स्टेंट ग्राफ्ट (कपड़े से ढकी धातु की जाली वाली एक विशेष ट्यूब) को महाधमनी के खराब हिस्से के अंदर लगाया गया। इससे खून के बहाव के लिए नया रास्ता बन गया और सूजन वाले हिस्से में खून का दबाव बंद हो गया। इससे सूजन के और बढ़ने तथा उसके फटने का खतरा काफी कम हो गया।

इस मामले पर बात करते हुए डॉ. सौम्य पात्रा ने कहा, पेट की महाधमनी में बनने वाली बड़ी सूजन बेहद खतरनाक होती है क्योंकि यह कभी भी फट सकती है और जानलेवा अंदरूनी रक्तस्राव हो सकता है। इस मरीज में सूजन के कारण पैर तक खून का प्रवाह भी प्रभावित होने लगा था, जिससे उसे तेज दर्द और चलने में दिक्कत हो रही थी। पूरी तरह बिना बड़ी सर्जरी वाली एश्अफप्रक्रिया की मदद से हम सूजन का सुरक्षित इलाज कर सके और महाधमनी में खून का सामान्य प्रवाह भी बनाए रखा। इस तरह की आधुनिक तकनीकें जटिल रक्त वाहिका रोगों के इलाज को अधिक सुरक्षित बना रही हैं।

कुणबी समाज विकास संघ, मुलुंड द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित, 150 यूनिट रक्त संग्रह

मुंबई । कुणबी समाज विकास संघ, मुलुंड द्वारा गौशाला हॉल, मुलुंड (मुंबई) में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेवा और मानव कल्याण के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष विनायक घाणेकर ने की। इस अवसर पर संघ के सरचिटणीस रविंद्र मोण्डगाकर तथा खजीनदार महेंद्र ऊके सहित समाज के सभी पदाधिकारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में प्रमुख अतिथियों के रूप में विजयजी नयनाक, प्रदीप घाणेकर, रुपाली सुभेदार, चंद्रकांत चोगाले, प्रवीण शिबे, डॉ. सचिन सिंह एवं डॉ. आर. एम. पाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए इस सामाजिक पहल को प्रेरणादायक बताया।

आयोजकों के अनुसार शाम 4 बजे तक 150 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूती मिली। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं और लोगों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी रक्तदाताओं, अतिथियों एवं सहयोगकताओं का आभार व्यक्त किया गया।

मरीन ड्राइव: मुंबई का दिल पुस्तक का लोकार्पण

-जगदीश पी. पुरोहित

मुंबई। आर. के. पब्लिकेशन, मुंबई द्वारा प्रकाशित और कमांडर मनोज चौधरी लिखित पुस्तक मरीन ड्राइव : मुंबई का दिल का लोकार्पण रविवार को पुलिस जिमखाना, मरीन ड्राइव में आयोजित एक समारोह में किया गया। पुस्तक का विमोचन प्रोफेसर डॉ. दयानंद तिवारी, पुलिस उप-अधीक्षक संजय गोविलकर, कमांडर सुलक्षण कुमार शर्मा, लेखक नितिन सालुंखे, लेखक व पत्रकार विवेक अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार राजेश विक्रांत और आर. के. पब्लिकेशन के निदेशक रामकुमार ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि मरीन ड्राइव केवल मुंबई का प्रमुख पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि शहर के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष और जीवन मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक मुंबई के साथ-साथ देश-विदेश के उन पाठकों के

लिए भी उपयोगी होगी जो महानगर की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को समझना चाहते हैं। लेखक कमांडर मनोज चौधरी ने कहा कि भारतीय नौसेना में सेवा के दौरान उन्हें मुंबई को निकट से जानने का अवसर मिला और उसी अनुभव तथा अध्ययन के आधार पर उन्होंने यह पुस्तक लिखी। कार्यक्रम के दौरान मुंबई पुलिस की कांस्टेबल काजल चौहान को मरीन ड्राइव पर समुद्र में गिरी एक महिला की जान बचाने में दिखाई गई बहादुरी के लिए विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया। वहीं मरीन ड्राइव के सफाईकर्मी श्री सायलो को स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान के लिए विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजेश विक्रांत ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन रामकुमार ने किया।

इस अवसर पर कमांडर पुष्पा पांडेय, कमांडर विपिन झा, लेफ्टिनेंट कमांडर विशाल प्रीतम, कैप्टन मुकेश कुमार गुप्ता, सर्जन कैप्टन डॉ. सामंत राय मोहंती, शायर शिवदत्त अक्स, डॉ. अलका अग्रवाल सिगतिया, जगदीश पुरोहित सहित साहित्य, पत्रकारिता, प्रशासन और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोग उपस्थित थे।

नि:शुल्क पॉपकॉर्न व दोना-पत्तल मशीन पाने का मौका, अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथि घोषित

वाराणसी। स्वरोजगार की दिशा में युवाओं और जरूरतमंदों के लिए अच्छी खबर है। जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, टकटकपुर द्वारा निःशुल्क पॉपकॉर्न मशीन तथा दोना-पत्तल मेकिंग मशीन वितरण योजना के अंतर्गत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दी गई है। यह साक्षात्कार 6 अगस्त 2026 को जिला ग्रामोद्योग कार्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि पॉपकॉर्न मशीन के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा, जबकि दोना-पत्तल मेकिंग मशीन के लिए साक्षात्कार दोपहर 1 बजे से लिया जाएगा। दोनों योजनाओं के लिए आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि साक्षात्कार के दौरान अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रमाण पत्रों की जांच के बाद ही चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। समय से उपस्थित न होने वाले अभ्यर्थियों को होने वाली असुविधा के लिए स्वयं जिम्मेदार माना जाएगा। खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की यह पहल स्वरोजगार को बढ़ावा देने और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पॉपकॉर्न मशीन तथा दोना-पत्तल निर्माण मशीन के माध्यम से लाभार्थी कम लागत में घरेलू या लघु उद्योग शुरू कर सकेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होने की संभावना है। विभाग ने यह सूचना जनहित में निःशुल्क प्रकाशनार्थ जारी की है।

पीबीजी सतारा हिल हाफ मैराथन का आयोजन

मुंबई/सातारा। आगामी 6 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली 2026 पीबीजी सातारा हिल हाफ मैराथन से पहले, सातारा में धावकों की आधिकारिक टी-शर्ट और फिनिशर पदक का अनावरण किया गया। सातारा रनर्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस 15वें संस्करण की थीम #PaceForPeace है, जो धावकों को अपनी गति में संतुलन खोजने के लिए प्रेरित करती है। इस लॉन्च समारोह में सातारा के पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजकों की सुव्यवस्थित योजना और समुदाय-आधारित आयोजन की सराहना की, कार्यक्रम के लिए सातारा पुलिस के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा फाउंडेशन को इस पहल का और विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस संस्करण में निःशुल्क 16-सप्ताह का संडे लॉन्ग रन कार्यक्रम, पेसर-नेतृत्व वाला प्रशिक्षण, रूट परिचय सत्र, टाइम ट्रायल, 4 और 5 सितंबर को 50 से अधिक ब्रांडों के साथ फिटनेस एक्सपो, स्कूलों के लिए खेल सहयोग तथा चौथे Guinness World Records प्रयास को शामिल किया जाएगा। अध्यक्ष आर्किटेक्ट उपेंद्र पंडित ने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि धावकों, स्वयंसेवकों, नागरिकों और साझेदारों के विश्वास का प्रतीक है। रेस डायरेक्टर डॉ. अविनाश शिंदे ने कहा कि तैयारियाँ एक सुरक्षित और धावक-अनुकूल दौड़ सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। संस्थापक डॉ. संदीप काटे ने कहा कि यह आयोजन 2012 में एक स्थानीय पहल के रूप में शुरू होकर आज राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त दौड़ बन चुका है। पुनीत बालन ग्रुप के निदेशक पुनीत बालन ने कहा कि यह साझेदारी आयोजन की राष्ट्रीय पहुँच को और मजबूत करेगी तथा बच्चों के लिए खेल संबंधी अवसरों को बढ़ावा देगी।

समय से ज्यादा आदत जरूरी: फोनपे म्यूचुअल फंड की डेली SIPs कैसे भारत भर में वेल्थ बनाने को आसान बना रही हैं।

मुंबई। भारत में आम लोगों के निवेश का सफर एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहाँ वेल्थ बनाना रोज की आदत बनती जा रही है। जैसे-जैसे पहली बार निवेश करने वाले लोग अनुशासित निवेश को अपना रहे हैं, डेली SIPs लंबे समय में वेल्थ बनाने के एक असरदार तरीके के तौर पर उभर रहे हैं। फोनपे म्यूचुअल फंड रोजाना सिर्फ.10 से माइक्रो-इन्वेस्टमेंट की सुविधा देकर निवेश में आने वाली रुकावटों को दूर कर रहा है और साथ ही निवेश के सबसे बुनियादी सिद्धांतों में से एक टाइमिंग से ज्यादा निरंतरता जरूरी है को और भी मजबूत बना रहा है। इस बात को समझने के लिए, फोनपे म्यूचुअल फंड का डेली SIP डेटा लोगों के व्यवहार में आ रहे इस बदलाव को दशार्ता है। दिसंबर 2025 में इस फीचर को लॉन्च करने के बाद से, प्लेटफॉर्म ने 5 लाख (आधी मिलियन) से ज्यादा यूनिक डेली SIP निवेशकों को जोड़ा है, जो छोटी-छोटी और नियमित निवेश में बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। 2026 में इस बढ़त ने और भी तेज रफ्तार पकड़ी है। जनवरी 2026 से जून 2026 के बीच फोनपे म्यूचुअल फंड्स के 'डेली SIP' ट्रांजैक्शन में लगभग 5 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 50 के औसत टिकट साइज (औसत दैनिक निवेश) के साथ, डेली SIP लंबी अवधि में वेल्थ बनाने के लिए एक क्रांतिकारी आदत साबित हुई है। यह डेटा इस बात पर भी जोर देता है कि निवेश का यह व्यवहार भारत के मेट्रो शहरों से आगे भी फैल रहा है। डेली रक्ळ में निवेश करने वाले लगभग 77% निवेशक B30 शहरों (टियर 2 और 3 मार्केट) से हैं, जो यह दिखाता है कि टियर-2, टियर-3 और छोटे कस्बों में सिस्टमैटिक निवेश तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। डेली SIPs, बिजनेस, व्यापारियों और स्वरोजगार वाले लोगों के कैश-फ़्लो पैटर्न के साथ भी अच्छी तरह मेल खाते हैं, जिससे उन्हें महीने में एक बार निवेश करने के बजाय रोजाना छोटी रकम निवेश करने का मौका मिलता है। युवा भारतीय इस बदलाव को लीड कर रहे हैं। डेली SIP में निवेश करने वालों में 18-29 साल के निवेशकों की हिस्सेदारी 58% है, जबकि 30-45 साल के निवेशक 37% योगदान देते हैं, इससे पहली बार निवेश करने वालों और शुरूआती दौर के निवेशकों में बढ़ती वित्तीय जागरूकता का पता चलता है। इस ट्रेंड पर बात करते हुए, फोनपे के म्यूचुअल फंड्स के हेड, नीलेश डी नाइक का कहना है, कि 'भारत की वेल्थ बनाने की यात्रा अब जब संभव हो तब निवेश करने से बदलकर ‘नियमित और लगातार निवेश करने’ के रूप में विकसित हो रही है।

हॉरर और कॉमेडी के साथ जबरदस्त ड्रामे का तड़का: मराठी Zee5 पर होगा तुम्बाडची मंजुला का धमाकेदार प्रीमियर

नवी मुंबई/ठाणे। इस साल की सबसे बड़ी मराठी ब्लॉकबस्टर फि ल्मों में शामिल होने के बाद, अब तुम्बाडची मंजुला 7 अगस्त को मराठी Zee5 पर अपने वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। जबरदस्त कॉमेडी, रोंगटे खड़े करने वाले रहस्यों और दिल को छू लेने वाली कहानी से सजी इस फि ल्म को सिनेमाघरों में क्रिटिक्स की तारीफ और दर्शकों का भरपूर प्यार मिला, जो अब इस प्लेटफॉर्म पर दर्शकों के मनोरंजन के लिए तैयार है। विविध कोरगांवकर के निर्देशन में बनी इस फि ल्म कोंंी स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है जिसमें जितेंद्र जोशी, ओम भुटकर, मकरंद अनासपुरे, सई ताम्हणकर और उषा नाडकर्णी ने मुख्य किरदार निभाए हैं। जब केशव मजाक में एक छोटा-सा झूठ बोलता है कि उस पर मंजुला नाम की एक आत्मा का साया है, तो पूरे गाँव में तहलका मच जाता है। अपनी इज्जत बचाने की यह छोटी-सी कोशिश देखते-देखते भूत-प्रेत से जुड़े किस्सों,

29 लाख रुपये के लेन-देन के विवाद में पत्नी व दो मासूम बच्चों की हत्या के बाद आत्महत्या मामले का खुलासा नामजद आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर पुलिस ने थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में पत्नी व दो नाबालिग बच्चों की हत्या कर स्वयं आत्महत्या किए जाने के चर्चित मामले का अनावरण करते हुए नामजद अभियुक्त चन्द्रभान गिरी उर्फ दद्दन गिरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 31 जुलाई 2026 को ग्राम झौहना गोसाईपुरवा निवासी राजेश गिरी ने थाना कोतवाली देहात में तहरीर देकर बताया कि उनके भाई बजरंगी गिरी लोगों को रुपये उधार देकर आर्थिक मदद करते थे। उन्होंने अपने परिचित चन्द्रभान गिरी उर्फ दद्दन गिरी को लगभग 29 लाख रुपये दिए थे। आरोप है कि बार-बार मांगने के बावजूद रुपये वापस नहीं मिले, जिससे बजरंगी गिरी मानसिक रूप से परेशान हो गए। पुलिस के अनुसार, इसी तनाव के चलते बजरंगी गिरी ने अपनी पत्नी कोमल (25 वर्ष), पुत्री श्रद्धा (3 वर्ष) और पुत्र जयदीप (1 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी तथा बाद में

स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मामले में थाना कोतवाली देहात पर मुकदमा संख्या 314/2026, धारा 108 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। घटनास्थल से पुलिस ने एक 12 बोर का अवैध तमंचा, दो .315 बोर के अवैध तमंचे, जिंदा एवं फायर किए गए कारतूस तथा एक कैंची बरामद की। पुलिस को मृतक का मोबाइल भी मिला, जिसमें एक वीडियो रिकॉर्ड था। पुलिस के अनुसार, वीडियो में मृतक ने कथित रूप से रुपये न मिलने के कारण चन्द्रभान गिरी को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय तथा क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश तिवारी के नेतृत्व में गठित टीम ने 3 अगस्त 2026 को मुखबिर की सूचना पर कोडरी घाट के पास से अभियुक्त चन्द्रभान गिरी उर्फ दद्दन गिरी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि वह और बजरंगी गिरी मित्र थे तथा दोनों के बीच रुपये का लेन-देन होता रहता था। उसने स्वीकार किया कि बजरंगी गिरी के 29 लाख रुपये उसके पास थे, लेकिन व्यापार में धन खर्च हो जाने के कारण वह समय पर राशि वापस नहीं कर सका। उसके अनुसार, लगातार रुपये मांगने से बजरंगी गिरी परेशान थे। पुलिस ने अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रामाश्रय प्रसाद, कांस्टेबल सत्येन्द्र कुमार एवं कांस्टेबल संजय कुमार शामिल रहे।

नालासोपारा में कजरी महोत्सव2026 का सफल आयोजन, जनप्रतिनिधियों और कलाकारों ने बढ़ाई शोभा

-चंदन महाकाल

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। सावन माह की सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत करते हुए अभियान सामाजिकझ्रसांस्कृतिक संस्था एवं जय ॐ सेवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में नालासोपारा (पूर्व) स्थित सेंट ल्यूक्स इंग्लिश हाईस्कूल, विरार रोड परिसर में कजरी महोत्सवझ्र2026 का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, सांस्कृतिक प्रेमी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान लोक संस्कृति, सामाजिक समरसता और भारतीय परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद आयोजकों ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि कजरी महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय लोक परंपराओं, सामाजिक एकता और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में भाईचारा, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सावरा, विधायक विलास तरे, विधायक स्नेहा दुबे पंडित तथा विधायक राजन नाईक सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। आयोजक संस्थाओं की ओर से सभी अतिथियों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि महानगरों में लोक संस्कृति और पारंपरिक आयोजनों का संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने समाज को एकजुट रखने और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका बताई।सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत लोकगायिका रजनी पांडेय (अयोध्या, उत्तर प्रदेश) की मनमोहक कजरी प्रस्तुतियों से हुई। उनके पारंपरिक गीतों ने सावन के उल्लास को जीवंत कर दिया और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके बाद प्रसिद्ध भजन गायक ऋषभ तिवारी ने अपने मधुर भजनों से भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। वहीं रोलर स्केटिंग की गोल्ड मेडलिस्ट एवं संस्कृतिसुंदरी वेंडरी लोबो ने अपनी प्रेरणादायी प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने भरपूर सराहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया। आयोजकों ने कहा कि समाज सेवा, शिक्षा, संस्कृति और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करने से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और युवाओं को प्रेरणा मिलती है। आयोजन की सफलता में अमरजीत मिश्रा, प्रेमनाथ (नवीन) दुबे एवं अमित ओमप्रकाश दुबे सहित संस्था के सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वक संचालन कर इसे यादगार बना दिया। अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों ने आयोजन की भव्यता, अनुशासित व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की। संपूर्ण कजरी महोत्सव उत्साह, उल्लास, भारतीय लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर संपन्न हुआ।

जहां श्रीकृष्ण का साथ हो वहां सत्य की विजय सुनिश्चित : चीफ केसी पांडे

नाशिक। सत्य, प्रेम, कर्म और धर्म के मार्ग पर ही भगवान श्रीकृष्ण का वास होता है। जहाँ इंसान निष्काम भाव से अपने कर्तव्य का पालन करता है। जहाँ अहंकार छोड़कर भक्त पूरी तरह समर्पित होता है। जहाँ श्रीकृष्ण का साथ हो, वहाँ सत्य की विजय सुनिश्चित है। सतपुर, नासिक के बीएलवीडी होटल में आयोजितह्लसुनो श्रीकृष्ण क्या कह रहे हैं...? पुस्तक के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रख्यात समाजसेवी तथा विश्व प्रसिद्ध गागोर्टी म्यूजियम के संस्थापक चीफ केसी पांडे ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने प्रेरणादायक पुस्तक लिखने के लिए डॉ. रोचना भारती को बधाई दी। प्रमुख वक्ता के रूप में बोलते हुए प्रख्यात विद्वान डॉ. वागीश आचार्य ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष शोध निदेशक डॉ. विद्या केशव चिटको ने किया। इस अवसर पर उद्योगपति तापड़िया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सुंदर संचालन कवयित्री सुनीता महेश्वरी ने किया।